हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 37 : | जौनपुर, मंगलवार 31 अक्टूबर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

अयोग्यता मामले में सख्त हुआ सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को महाराष्ट्र के स्पीकर राहुल नारवेकर को निर्देश दिया कि वह 31 दिसंबर या उससे पहले एक–दूसरे के विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग करने वाली शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी गुटों द्वारा दायर क्रॉस–याचिकाओं पर फैसला करें। कोर्ट ने कहा कि हम नहीं चाहते कि मामला अगले चुनाव तक लटका रहे। अगर स्पीकर सुनवाई नहीं कर सकते तो हम करेंगे। हमने बार–बार स्पीकर से फैसला लेने के लिए कहा है। संविधान की 10वीं अनुसूची राजनीतिक दलबदल को रोकने के लिए बनाई गई है। इससे पहले, शीर्ष अदालत ने सीएम एकनाथ शिंदे और उनके वफादारों की अयोग्यता के लिए उद्धव ठाकरे गुट द्वारा दायर याचिकाओं पर फैसला करने में देरी पर स्पीकर को कड़ी फटकार लगाई थी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि प्रक्रियात्मक उलझनों के कारण अयोग्यता संबंधी याचिकाओं पर फैसले में देरी नहीं होने देनी चाहिए।

केरल ब्लास्ट मामले की जांच करेगी 20 सदस्यीय टीम

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केरल के एर्नाकुलम में सिलसिलेवार विस्फोट मामले की जांच 20 सदस्यीय टीम करेगी। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने इस बात की जानकारी दी है। साथ ही मामले में एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। विजयन ने कहा कि सोमवार को सर्वदलीय बैठक होगी और विस्फोट की घटना के पीछे के लोगों को पकड़ने का प्रयास किया जाएगा। डोमिनिक मार्टिन नाम के एक व्यक्ति ने जिम्मेदारी ली और त्रिशूर जिले में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। हालाँकि, पुलिस ने मामले में उसकी संलिप्तता की पुष्टि नहीं की है और उससे पूछताछ जारी है। केरल के पुलिस महानिदेशक शेख दरवेश साहेब ने पुष्टि की कि कलामासेरी क्षेत्र में कन्वेंशन सेंटर में विस्फोट एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के कारण हुए थे।

तेलंगाना की राजनीति में नई हलचल

नई दिल्ली (एजेन्सी)। तेलुगु देशम पार्टी ने आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है, जिससे पार्टी की राज्य इकाई के भीतर हलचल मच गई है। यह पहली बार होगा कि टीडीपी ने 2014 में तेलंगाना के गठन के बाद विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया। टीडीपी 2018 के चुनावों में केवल दो सीटें जीतने में कामयाब रही। कथित कौशल विकास घोटाले में टीडीपी सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू अभी भी जेल में हैं, इसलिए पार्टी ने चुनाव से दूर रहने का फैसला किया।

टीडीपी तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष कसानी ज्ञानेश्वर को इस फैसले के बारे में पार्टी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने खुद बताया, जब चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को राजमुंद्री सेंट्रल जेल में उनसे मुलाकात की।

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि संविधान के मुताबिक मतदाताओं को राजनीतिक दलों की फंडिंग के बारे में जानने का अधिकार नहीं है। चुनावी बांड योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई से पहले शीर्ष अदालत के समक्ष दायर एक बयान में, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 19 (1) (ए) नागरिकों को उम्मीदवारों के पूर्ववृत्त को जानने का अधिकार देता है, लेकिन नहीं।

यह सब कुछ जानने का सामान्य अधिकार है, जिसका अर्थ है कि चुनावी बांड की जानकारी सार्वजनिक डोमेन में नहीं हो सकती है। न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की पांच न्यायाधीशों की पीठ चुनावी बांड योजना को अपारदर्शी और अलोकतांत्रिक बताते हुए चुनौती देने वाली याचिकाओं पर 31 अक्टूबर को सुनवाई करेगी।

मिर्जापुर में सीएम योगी ने 202 करोड़ की 606 विकास योजनाओं का किया लोकार्पण एवं कई निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया

मिर्जापुर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मिर्जापुर पहुंच गए हैं। सीएम ने मां विंध्यवासिनी का दर्शन–पूजन किया। उनका हेलीकॉप्टर सुबह 10:51 पर मोती झील स्थित हेलीपैड पर उतरा। वहां से वह कार द्वारा मां विंध्यवासिनी मंदिर पहुंचे। वहां पर उनका स्वागत किया गया। उसके बाद वे दर्शन पूजन करने के लिए मंदिर में चले गए। उन्होंने विंध्य कॉरिडोर का निरीक्षण भी किया। सीएम योगी आदित्यनाथ आम श्रद्धालु से भी मिले। बच्चों को दुलारा और गोद में लेकर सभी को चॉकलेट भी दी। सीएम योगी ने लालगंज के मिलिट्री ग्राउंड में दो सौ करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पणों व शिलान्यास किया। इसके साथ ही कई योजनाओं के लाभार्थियों को भी प्रमाण पत्र वितरित किया। मुख्यमंत्री ने 306 लाख रुपये से निर्मित 17 प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों का लोकार्पण किया। साथ ही 419 30 लाख रुपये से 172 विद्यालयों की चहारदीवारी के निर्माण कार्यों का शिलान्यास भी किया। इसका निर्माण एक करोड़ 85 लाख रुपये खर्च कर किया गया है। मुख्यमंत्री स्वास्थ्य विभाग के पांच करोड़ 97 लाख रुपये की लागत से बने 100 आरोग्य केंद्रों का लोकार्पण भी किया। इसके अतिरिक्त पंचायती राज विभाग के 58 कार्यों का लोकार्पण व 253 का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिर्जापुर में 202 करोड़ की 660 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण किया। शिलान्यास एवं उत्कृष्ट कार्य करने वालीं 10 महिलाओं को विंध्य शक्ति सम्मान एवं विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व टूल किट का वितरण सीएम ने किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने कहा कि भारत महिला सशक्तिकरण में आगे बढ़ रहा है। आजादी के 70 वर्षों के बाद पहली बार लगा कि महिला भी राजनीति के एजेंडे का प्रमुख हिस्सा हैं। देश की नई संसद बनने के बाद पहले ही सत्र में देश के आधी आबादी की मांग को आगे बढ़ाया। प्रधानमंत्री के संकल्प के स्वरूप महिलाये संसद और विधान सभा मे चुन कर जाए यह प्रधानमंत्री ने पूरा किया। क्या कोई सोच सकता था कि माँ विंध्यवासिनी धाम में इतना भव्य कॉरिडोर बनेगा।कोई सोच सकता था।कि यहां मेडिकल और हर घर नल जल योजना की सुविधा मिलेगी।यहां माँ विंध्यवासिनी के नाम पर विश्वविद्यालय का निर्माण होगा। सीएम ने कहा कि मिर्जापुर में विंध्य विश्व विद्यालय का निर्माण किया जायेगा।जमीन तय करिये हम लोग यहाँ शिलान्यास करने आयेंगे। आगे कहा कि चेरो, कोल, मुसहर जो अनुसूचित जाति के है और उन्हें पीएम आवास नहीं मिला है तो उन्हें मुख्यमंत्री आवास मिलेगा। हमारी सरकार ने यह तय किया है। उत्तर प्रदेश पुलीस में पहले 10 हजार महिलायें थी।

पीएम मोदी व शेख हसीना संयुक्त रूप से सीमा पार रेल प्रोजेक्ट का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अधिकारियों ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके बांग्लादेश समकक्ष शेख हसीना बुधवार को संयुक्त रूप से एक प्रमुख सीमा पार रेलवे परियोजना का उद्घाटन करेंगे। उन्होंने कहा कि दोनों पड़ोसी देशों के प्रधान मंत्री सुबह 11 बजे एक आभासी समारोह में अगरतला–अखौरा क्रॉस बॉर्डर रेल लिंक परियोजना का शुभारंभ करेंगे। अधिकारियों ने कहा कि 15 किलोमीटर लंबा रेल लिंक (भारत में 5 किलोमीटर और बांग्लादेश में 10 किलोमीटर) सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देगा और ढाका के रास्ते अगरतला और कोलकाता के बीच यात्रा के समय को काफी कम कर देगा। प्रोजेक्ट का ट्रायल सोमवार दोपहर 12 बजे होगा। इसमें एक प्रमुख पुल और तीन छोटे पुल शामिल हैं। एक अधिकारी ने कहा कि मौजूदा समय में ट्रेन से अगरतला से कोलकाता पहुंचने में करीब 31 घंटे का समय लगता है, जो घटकर सिर्फ 10 घंटे रह जाएगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रेलवे ने परियोजना के काम में तेजी लाने के लिए अपने बजट से 153.84 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। अखौरा–अगरतला नई रेलवे लाइन (भारत में 5.05 किमी और बांग्लादेश में 10.014 किमी) पश्चिमी त्रिपुरा के निश्चिंतपुर में एक अंतरराष्ट्रीय आव्रजन स्टेशन के माध्यम से बांग्लादेश के रेलवे स्टेशन अखौरा को जोड़ेगी। भारत द्वारा वित्त पोषित, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) 1,000 करोड़ रुपये की अगरतला–अखौरा रेलवे परियोजना की नोडल एजेंसी है, जिसे जनवरी 2010 में अंतिम रूप दिया गया था।

गुजरात में बोले पीएम मोदी पूरी दुनिया कर रही है भारत के विकास की चर्चा

पीएम मोदी ने मेहसाणा जिले के खेरालू में करीब 5941 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

महेसाणा/गुजरात (एजेन्सी)। पीएम नरेंद्र मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर हैं। सोमवार सुबह अंबाजी मंदिर में पावड़ी पूजा के बाद उन्होंने मेहसाणा जिले के खेरालू में करीब 5941 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया।

पीएम सोमवार सुबह 9.30 बजे अहमदाबाद पहुंचे थे। अहमदाबाद एयरपोर्ट से ही वे बनासकांठा के अंबाजी मंदिर के लिए रवाना हो गए थे। उनके आगमन के लिए अंबाजी के पास चिखला गांव में चार हेलीपैड बनाए गए थे। यहां से उनका काफिला मंदिर के लिए रवाना हुआ। इस दौरान उनके स्वागत के लिए सड़कों पर भारी संख्या में लोग मौजूद थे, जिन्होंने फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। देश हित में लिए जा रहे हैं बड़े–बड़े फैसले पीएम ने दाभोदा गांव में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा– गुजरात और देश के विकास के लिए गुजरातियों का बहुत आभार मानता हूं।

भारत के चांद पर पहुंचने और जी–20 समिट के चलते आज दुनिया भर में भारत के विकास की चर्चा हो रही है। जी–20 समिट के दौरान दुनिया के बड़े–बड़े नेता भारत के कोने–कोने में गए और भारतीयों की संकल्प शक्ति देखकर चकित रह गए। आज पूरे देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर हो रहा, जिसका कई साल पहले तक नामो–निशान नहीं था। आज देश में बड़े–बड़े प्रोजेक्ट आकार ले रहे हैं। पूर्ण बहुमत में सरकार होने के चलते आज देश हित में बड़े–बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। उत्तर गुजरात के विकास की बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा– एक समय उत्तर गुजरात में सूखा था। यहां की माता–बहनों को दिन–दिन भर पीने के पानी के लिए भी मीलों तक का सफर तय करना पड़ता था। लेकिन आज यहां घर–घर में नल है। आज यहां के लोगों के लिए सिर्फ पीने के लिए ही नही, बल्कि सिंचाई के लिए भी चौबीसों घंटे पानी है। एक समय यहां से सिर्फ दूध का ही व्यापार होता था, लेकिन आज यहां के खेत भी लहलहा रहे हैं। देश भर में यहां से कपास, अनाज और सब्जियां भेजी जा रही हैं। इतना ही नहीं, कई दुग्ध डेयरी के डेवलपमेंट के चलते अब यहां के लोगों को दूध ही नहीं, गोबर तक से कमाई होने लगी है। कोरोना काल में जिस तरह आपको कोरोना में मुफ्त वैक्सीन दी गई। आज वैसे ही पशुओं का भी मुफ्त टीकाकरण किया जा रहा है। यहां की विकसित डेयरियों को देखने दूर–दूर से लोग आ रहे हैं। अब बनासकांठा में एक मेगा फूड पार्क का भी निर्माण कार्य चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात के महेसाणा में है जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। अहमदाबाद हवाईअड्डे पर पहुंचने पर पीएम का राज्य के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रदर्शनकारियों ने NCP विधायक के घर में लगाई आग, सीएम शिंदे बोले- यह गलत

मुंबई (एजेन्सी)। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का मामला उस समय हिंसक स्थिति में पहुंच गया जब प्रदर्शनकारियों ने बीड जिले के माजलगैन स्थित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विधायक प्रकाश सोलंके के आवास को निशाना बनाया। प्रदर्शनकारियों ने एनसीपी विधायक प्रकाश सोलंके के बंगले समेत उनकी महंगी कारों को आग लगा दी। उनके घर पर भी हमला हुआ और प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया। घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे हैं, जिसमें गुस्साए प्रदर्शनकारियों को विधायक के घर पर पथराव करते हुए दिखाया गया है। इसके अलावा, भीड़ ने अपने विरोध के तहत वाहनों को आग लगा दी। घटना पर प्रकाश सोलंके कहा कि जब हमला हुआ तब मैं अपने घर के अंदर था। सौभाग्य से, मेरे परिवार का कोई भी सदस्य या कर्मचारी घायल नहीं हुआ। हम सभी सुरक्षित हैं लेकिन एक आग के कारण संपत्ति का भारी नुकसान हुआ। प्रकाश सोलंके के बीड आवास पर हमले पर सीएम एकनाथ शिंदे का कहा की मनोज जरांगे पाटिल (मराठा आरक्षण कार्यकर्ता) को इस तथ्य पर ध्यान देना चाहिए कि यह विरोध क्या मोड़ ले रहा है। यह गलत दिशा में जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए बनी जस्टिस शिंदे कमेटी ने अपनी पहली रिपोर्ट हमें सौंप दी है. ।

विजयनगरम में दो यात्री ट्रेनों की टक्कर 13 की मौत, 50 से ज्यादा घायल

मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि हावड़ा-चेन्नई रूट पर विशाखापत्तनम- पलासा पैसेंजर ट्रेन और विशाखापत्तनम-रायगढ़ा पैसेंजर ट्रेन के बीच टक्कर हो गई

विशाखापत्तनम (एजेन्सी)। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में दो ट्रेनों की टक्कर हो गई है। हादसे में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। इस दौरान 50 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। मंडल रेल प्रबंधक ने बताया कि हावड़ा–चेन्नई रूट पर विशाखापत्तनम–पलासा पैसेंजर ट्रेन और विशाखापत्तनम–रायगढ़ा पैसेंजर ट्रेन के बीच टक्कर हो गई। हादसे में तीन कोच क्षतिग्रस्त हुए हैं। बचाव अभियान जारी है। सहायता और एम्बुलेंस के लिए स्थानीय प्रशासन और एनडीआरएफ को सूचित किया गया है। दुर्घटना राहत ट्रेनें घटनास्थल पर पहुंच चुकी हैं। पूर्वी तटीय रेलवे के प्रवक्ता बिस्वजीत साहू ने बताया कि फिलहाल हादसे वाली जगह पर रेल ट्रैक की रिपेयरिंग का काम चल रहा है। राहत–बचाव कार्य खत्म हो चुके हैं। हमने फंसे हुए यात्रियों के लिए बसों और ट्रेनों की व्यवस्था की है। अब तक 18 ट्रेनों को रद्द किया जा चुका है, जबकि 22 ट्रेनें डायवर्ट की गई हैं। हम शाम चार बजे तक ट्रैक को दोबारा शुरू करने पर काम कर रहे हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि बचाव अभियान चल रहा है, सभी को निकाल लिया गया है। टीमें तैनात कर दी गई हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालात की समीक्षा की है। मैंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री से बात की। स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। इस बीच प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से बात की और अलामंदा और कंटकपल्ले सेक्शन के बीच दुर्भाग्यपूर्ण ट्रेन के संबंध में मौजूदा स्थिति का जायजा लिया। अधिकारी प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। इस बीच प्रधानमंत्री राहत कोष से मृतकों के परिजन को दो–दो लाख और घायलों को 50–50 हजार की रुपये की आर्थिक मदद का एलान किया गया। आंध्र प्रदेश के सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया और अधिकारियों को घायल लोगों को सहायता प्रदान करने का आदेश दिया। आंध्र प्रदेश CMO के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने तत्काल राहत उपाय करने और विजयनगरम के निकटतम जिलों विशाखापत्तनम और अनाकापल्ली से अधिक से अधिक एम्बुलेंस भेजने और अच्छी चिकित्सा सुविधा प्रदान करने के लिए आसपास के अस्पतालों में उचित व्यवस्था करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री ने पुलिस और राजस्व सहित अन्य विभागों के समन्वय के आदेश जारी किए हैं, जिससे घायलों को शीघ्र चिकित्सा सेवाएं मिलें। पूर्वी तटीय रेलवे क्षेत्र के एक अधिकारी ने बताया कि विशाखापत्तनम–पलासा पैसेंजर (ट्रेन संख्या 08532), विशाखापत्तनम–रायगढ़ा पैसेंजर (ट्रेन संख्या 08504) से टकरा गई।

बीजिंग में सुरक्षा मंच की बैठक, चीन और रूस के निशाने पर अमेरिका

नई दिल्ली (एजेन्सी)। चीनी और रूसी सैन्य प्रमुखों ने सोमवार को बीजिंग में एक सुरक्षा मंच पर आलोचना के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका पर निशाना साधा, जबकि चीन के दूसरे सबसे वरिष्ठ सैन्य कमांडर ने वाशिंगटन के साथ रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने की कसम खाई। देशों के बीच तनाव और दक्षिण चीन सागर या ताइवान के पास आकस्मिक झड़प के खतरे के बीच अमेरिका और चीनी सेनाओं के बीच नियमित संचार की कमी वाशिंगटन के लिए लगातार चिंता का विषय रही है। बीजिंग जियांगशान फोरम, चीन की सैन्य कूटनीति का सबसे बड़ा वार्षिक शो, सोमवार को देश के रक्षा मंत्री के बिना शुरू हुआ, जो आम तौर पर इस कार्यक्रम की मेजबानी करते हैं, लेकिन बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच इसमें एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल भी शामिल था। रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने पश्चिम को चेतावनी दी कि यूक्रेन युद्ध में उसकी भागीदारी से गंभीर खतरा पैदा हो गया है। रूस की TASS राज्य समाचार एजेंसी ने फोरम में शोइगु के हवाले से कहा कि रूस के साथ संघर्ष की पश्चिमी रेखा में लगातार वृद्धि से परमाणु शक्तियों के बीच सीधे सैन्य टकराव का खतरा है, जो विनाशकारी परिणामों से भरा है।

मनीष सिसोदिया को लगा झटका, अदालत ने जमानत देने से किया इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले दिल्ली एक्साइज पॉलिसी और सिसोदिया के खिलाफ मामलों को लेकर सीबीआई और ईडी ने कई सवाल किए थें

नई दिल्ली (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार 30 अक्टूबर को दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई की गई। सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की ओर से दायर की गई जमानत याचिका को सुनवाई के बाद खारिज किया है। मनीष सिसोदिया की याचिका पर जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एसवीएन भट्टी की पीठ ने सीबीआई और एड के जरिए सिसोदिया के खिलाफ की गई जांच के मामलों पर अपना फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले दिल्ली एक्साइज पॉलिसी और सिसोदिया के खिलाफ मामलों को लेकर सीबीआई और ईडी ने कई सवाल किए थे। इस मामले पर सिसोदिया से लंबी पूछताछ की गई है। वहीं इस मामले पर सुनवाई करते हुए न्याय मूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने कहा कि जांच एजेंसियों के बयान रिकॉर्ड किए गए है। इन मामलों में छह से आठ महीनों में सुनवाई पूरी होगी। पीठ के मुताबिक अगर सुनवाई की कार्यवाही में किसी तरह की देती होती है तो उसी सूरत में मनीष सिसोदिया इन मामलों में जमानत के लिए आवेदन कर सकते है। बता दें कि सोमवार 30 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने खत्म हो चुकी दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित भ्रष्टाचार और धन शोधन के मामलों में दायर सिसोदिया की दो अलग–अलग नियमित जमानत याचिकाओं पर अपना फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले 17 अक्टूबर को सुनवाई करते हुए दोनों याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। सिसोदिया को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 26 फरवरी को ''घोटाले'' में उनकी भूमिका के आरोप में गिरफ्तार किया था। आम आदमी पार्टी (आप) नेता तब से हिरासत में हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तिहाड़ जेल में पूछताछ के बाद नौ मार्च को सीबीआई की प्राथमिकी से जुड़े धन शोधन के मामले में सिसोदिया को गिरफ्तार किया। सिसोदिया ने 28 फरवरी को दिल्ली कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया था। उच्च न्यायालय ने 30 मई को सीबीआई के मामले में उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि उप मुख्यमंत्री और आबकारी मंत्री रहने के कारण वह एक ''हाई–प्रोफाइल'' व्यक्ति हैं जो गवाहों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। उच्च न्यायालय ने तीन जुलाई को दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन के मामले में उन्हें जमानत देने से यह कहकर इनकार कर दिया था कि उनके खिलाफ आरोप ''बहुत गंभीर प्रकृति'' के हैं। दिल्ली सरकार ने 17 नवंबर, 2021 को यह नीति लागू की थी, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच सितंबर 2022 के अंत में इसे रद्द कर दिया। जांच एजेंसियों के मुताबिक, नयी नीति के तहत थोक विक्रेताओं का मुनाफा पांच फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी कर दिया गया था। एजेंसियों ने आरोप लगाया है कि नयी नीति के परिणामस्वरूप गुटबंदी हुई और धन लाभ पाने के लिए शराब लाइसेंस देने में अयोग्य लोगों को लाभ दिया गया। दिल्ली सरकार और सिसोदिया ने किसी भी गलत काम से इनकार किया और नयी नीति से दिल्ली के राजस्व हिस्से में वृद्धि का दावा किया है।

एक्सप्रेस वे पर साइकिल लेकर कार्यकर्ताओं संग निकले अखिलेश, बोले- घूमेगा बदलाव का चक्का

लखनऊ (एजेन्सी)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर हजारों सपा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) साइकिल यात्रा शुरू की। यात्रा में सैकड़ों सपा कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम को लेकर पहले से सुरक्षा से पुख्ता इंतजाम किए गए थे। अखिलेश यादव पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से साइकिल से जनेश्वर मिश्र पार्क तक जाएंगे। अपनी यात्रा को लेकर उन्होंने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि 'सामाजिक न्याय' होगा पक्का, जब घूमेगा बदलाव का चक्का! एक्सप्रेव वे पर पहले से ही इसके पुख्ता इंतजाम कर लिए गए थे हालांकि, एक लेन बंद होने से दूसरी तरफ लंबा जाम लग गया। रास्ते में ढोल नगाड़ों के साथ लोगों ने यात्रा का स्वागत किया। यूपी में आगामी लोक सभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए सपा मुखिया अखिलेश यादव ने मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने आज लखनऊ में पीडीए साइकिल यात्रा की शुरुआत की। इससे पहले उन्होंने भाजपा सरकार को परोक्ष रुप से घेरा। उन्होंने हम विकास करते हैं वों दूसरों के विकास पर दावा करते हैं। दरअसल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव इस बार लोकसभा चुनाव में अपने पीडीए फॉर्मूले (पीडीए) के दम पर उतरने की तैयारी कर रहे हैं। अपने इसी फॉर्मूले को धार देने के लिए सपा अध्यक्ष ने साइकिल यात्रा की शुरुआत किया।

सम्पादकीय

खतरनाक ही नहीं, मानवता पर बड़ा कुठाराघात भी है इस्लामिक आतंकवाद

समूची दुनिया मजहबी कट्टरता, अमानवीय अत्याचार एवं उन्मादी आतंकवाद के चलते विश्वयुद्ध के मुहाने पर खड़ी है। हमास के आतंकवादियों ने किस तरह की हैवानियत की थी, छोटे छोटे बच्चों एवं महिलाओं के साथ घर में घुसकर हिंसा, अनाचार किया, गोली मारी, जिंदा जला दिया। पकड़े गये सैनिकों को बारूद में लपेट कर जीवित जला देना, अपने ही हिमायती लोगों को अपने लिए मानव ढाल बनने के लिए मजबूर करना, उन्हें युद्ध क्षेत्र में रोकना, जिससे अधिक से अधिक लोगों की जान जा सके यह किसी युद्ध की स्थिति नहीं है, यह इस्लामी कट्टरवादी सोच है। यह सारी मानवता को चुनौती है, विश्वशांति को खतरा है, उसके लिए अस्तित्व रक्षा का प्रश्न है। अब सवाल ये है कि गाजा के आम लोगों का इसमें क्या कसूर? क्या हमास की दरिंदगी का बदला गाजा के आम लोगों के खून से चुकाया जाएगा? आखिर कब तक निर्दोष, मासूम एवं आमजन उन्माद एवं आतंक की भेंट चढ़ते रहेंगे? इस्लामी कट्टरता एवं उन्माद के काले दंश केवल गाजा पट्टी में ही नहीं, भारत में भी कहर बरपाते रहे हैं, लम्बे समय से जम्मू–कश्मीर हो या, हाल ही में मणिपुर–मेवात में हुई हिंसा, उन्माद एवं वहशियाना हरकतें चिन्ता का सबब बनती रही है। इस्लामी आतंकवाद खतरनाक है, मानवता पर कुठाराघात है। इस तरह के आतंक से दुनिया को डराना एवं भयभीत करना मुख्य लक्ष्य है। हमास के आतंकवादियों ने जब इजरायल के मासूम नागरिकों पर बेरहमी से हमला किया तो वो हथियारों के साथ–साथ कैमरों से भी लैस थे, अपनी वहशियाना हरकतों को कैमरे में कैद कर रहे थे। आज जब इसके सबूत सामने आए तो साफ हो गया कि इरादा सिर्फ मारकाट मचाना नहीं था, इरादा सिर्फ इजरायल को नुकसान पहुंचाने का भी नहीं था, इरादा तो ये था कि ये हैवानियत दुनिया को दिखाई जाए, दुनिया को इस्लाम एवं उसकी आतंकी सोच के सामने झुकने को विवश करना इरादा था, इरादा इजरायल के आत्मसम्मान पर चोट पहुंचाना भी था। इजरायल दुनिया को हमास के जुल्मों की तस्वीरें दिखाकर पूछ रहा है कि इस पर दुनिया के इस्लामिक देश खामोश क्यों हैं? जो आज इजरायल से जंग रोकने के लिए कह रहे हैं उन्होंने हमास की अमानवीय कार्रवाई की निंदा क्यों नहीं की? अगर कैमरों पर सबूत न होते तो कुछ लोग शायद ये कह देते कि इजरायल की फौज और मोसाद ने खुद ही अपने लोगों को मरवाया ताकि उन्हें हमास पर हमला करने का बहाना मिल सके। लेकिन इस बात के पुख्ता सबूत हैं और दावे भी कि हमास के आतंकवादियों ने मासूम और बेकसूर लोगों के साथ वहशियाना तरीके से जुल्म किया, हत्या की और आज भी अगवा किए गए लोगों को इंसानी ढाल बनाकर अपने आप को बचाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन फिलिस्तीन का समर्थन एवं मानवाधिकार की बातें करने वाले इन हरकतों को नजरअंदाज करने में लगे हैं। दुनिया के कई मुल्कों में प्रदर्शन हुए हैं, लोग इजरायल पर दबाव बनाना चाहते हैं ताकि वो गाजा पर किए जा रहे हमलों को रोके। इजरायल के कड़े रुख को देखते हुए अब हमारे देश में भी फिलिस्तीन और हमास के समर्थन में मुस्लिम संगठनों और मुस्लिम नेताओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। ये वे ही लोग एवं संगठन हैं जो भारत में होने वाली आतंकवादी घटनाओं, उन्मादी सोच एवं हिंसा एवं पाकिस्तानी हरकतों का समर्थन करने से बाज नहीं आते। हमास के दहशतगर्दों ने महिलाओं के कपड़े उतारकर उन पर जुल्म करके, उनकी नुमाइश करते वक्त कैमरों के सामने अल्लाहु अकबर के नारे लगाए। गौर करने की बात ये भी है कि सऊदी अरब और यूनिइटेड अरब अमीरत के मुल्कों में कोई विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर नहीं उतरा लेकिन हमारे देश में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जिनके बारे में कुछ लोग कह रहे हैं–बेगानी शादी में अब्दुल्ला दीवाना। असदुद्दीन ओवैसी खुलकर इजरायल का विरोध कर रहे हैं। इजरायल का समर्थन करने के भारत सरकार के फैसले को गलत बता रहे हैं। पिछले दिनों मेवात में बरपी इस्लामिक कट्टरता में भी गाजापट्टी जैसे ही दृश्य देखने को मिले। जिहादियों ने हिन्दुओं पर हमला करने की पहले से पूरी तैयारी कर रखी थी। यहां तक कि उन्होंने मन्दिर में फंसे हिन्दू महिलाओं, बच्चों एवं निर्दोषों को निकालने के लिये गुरुग्राम से आने वाले पुलिसकर्मियों पर भी हमले किये। पुलिस थाने को भी जला दिया गया, ताकि पुलिसकर्मी रक्षा एवं बचाव कार्य न कर सके। उस समय मेवात मानो मिनी पाकिस्तान बन गया था। मेवात में अल्पसंख्यक हिन्दुओं का कब्रिस्तान बनाने का एक षडयंत्र एवं साजिश थी। मेवात के सभी सैंकड़ों गांव हिन्दू–विहीन हो चुके हैं।

जीतने के लिए मुश्किल हालातों में शांत रहना भी आना चाहिए

आप सबने वेनिला आइसक्रीम के ऊपर चॉकलेट चिप्स डालकर उसे खाया होगा। बच्चों को ये चॉकलेट पसंद आती है और वे ज्यादा मांग सकते हैं। पर असली जान तो वेनिला में है, जो मीठा खाने की इच्छा को तृप्त करती है, जबकि तारीफ ऊपर थोड़ी–सी डाली गई चॉकलेट चिप्स को मिलती है। इसे ग्राहक को संतुष्ट करने के लिए वेनिला आइसक्रीम की कोशिश कह सकते हैं जबकि श्रेय चॉकलेट को मिल जाता है। अगर आप क्रिकेट प्रेमी हैं और शुक्रवार रात को साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच हुआ मैच देखा होगा, खासतौर पर आखिरी एक घंटे का, तब आप यह श्रेय वाली कहानी समझ पाएंगे।अगर मैच नहीं देखा तो मैं कहूंगा कि आपने 2023 के विश्वकप का अभी तक का सबसे अच्छा मैच मिस कर दिया। कोई यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि एडेन मार्करम की शानदार बल्लेबाजी (वेनिला आइस्क्रीम का प्रयास) की बदौलत साउथ अफ्रीका मैच जीत सका, जिसमें उन्होंने 91 रन बनाए। पर असली खेल प्रेमी जानते हैं कि मैच के असली हीरो केशव महाराज, तबरेज शम्सी और लुंगी एनगिडी रहे (पढ़ें चॉकलेट), जहां केशव ने 21 गेंद पर 7 रन बनाए और शम्सी ने 6 गेंद पर 4 रन बनाए और दोनों नाबाद रहे, वहीं लुंगी ने 14 गेंद पर 4 रन बनाए। वो इसलिए क्योंकि मार्करम तब नहीं खेल पाए, जब टीम को उनकी सबसे ज्यादा जरूरत थी– जब 60 गेंद रहते हुए महज 21 रन चाहिए थे, तब वह आउट हो गए। और पाकिस्तान के गेंदबाज अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे थे और पुछल्ले खिलाड़ियों को एक भी अतिरिक्त रन नहीं दे रहे थे। यही कारण है कि ऊपर के तीनों खिलाड़ियों को मिलकर वो 21 रन बनाने में तकरीबन आठ ओवर लग गए। याद रखिए ये वही टीम है जो चंद दिनों पहले धर्मशाला में नीदरलैंड के खिलाफ 245 रन का पीछा करते हुए बिखर गई थी। इसलिए 270 रन के लक्ष्य का बहुत जश्न मनाया गया। जब से वर्ल्ड कप शुरू हुआ है, मेरे घर पर टीवी सिर्फ वर्ल्ड कप के लिए ही रिजर्व है। सवाल ये नहीं है कि कौन देख रहा है। घर पर हम सब अपने दैनिक कामों में लगे होते हैं। पर अगर कॉमेन्टेटर जोर से चिल्लाता है तो रिप्ले देखने के लिए हम दौड़कर आते हैं। पर इस शुक्रवार को चेन्नई स्टेडियम में 30 हजार दर्शकों के साथ–साथ मेरे जैसा खेल प्रेमी खेल से आंख नहीं हटा सका, क्योंकि वह सिर्फ क्रिकेट नहीं था, बल्कि एक उत्सव था। खेल का सबसे अच्छा हिस्सा केशव महाराज थे जो स्वभाव से आक्रामक हैं, जो उन्हें एक गेंदबाज के रूप में होना चाहिए, लेकिन वह शांत बने रहे और 20 गेंद खेलकर अपना विकेट बचाए रखा और महज 3 रन बनाए। और 21वीं गेंद पर उन्होंने गेंद को घुमाया और सीमा रेखा तक पहुंचाते हुए विनिंग 4 रन बनाए। जैसे ही गेंद ने बाउंड्री पार की, आपने देखना होगा कि वह मुट्ठी बंद करके अपनी छाती पर दम भरते हुए नजर आ रहे थे। इसका ये मतलब रहा होगा कि "मैंने कर दिखाया' है या "हमने कर दिखाया है'। अब मुट्ठी बंद करके दम भरने का जो भी मतलब रहा हो, पर अगर आपने उनका सेब की तरह लाल हुआ चेहरा देखा होगा, तो समझ गए होंगे कि उन्होंने वह विनिंग बाउंड्री लगाने के लिए अपना गुस्सा काबू में किया था। मार्करम ने एकमात्र गलती यह की कि जब जीत दहलीज पर थी, तब उन्होंने बिना बड़े शॉट लगाए शांत रहने की अपनी क्षमता खो दी। क्रीज पर टिके रहने में असफलता से टीम के लिए उनका इतना बड़ा योगदान भी धुल गया और सेंचुरी से भी चूक गए। बाकी तीनों खिलाड़ी (सारे गेंदबाज) आक्रामक होने के बावजूद शांत बने रहे और आखिरी परिणाम तक एक–एक, दो–दो रन लेते रहे। फंडा यह है कि प्रदर्शन कितना ही बेहतर क्यों न हो, तनाव भरी परिस्थितियों में शांत रहने का एटीट्यूड जरूर विकसित करना चाहिए।

तेल के डग्गामार समुद्री जहाजों की दास्तान

अंशुमान तिवारी

यूनिवर्सिटी की मशहूर शख्सियत थे ओल्ड रुडबेक। चिकित्सा विज्ञानी, अन्वेषक, इतिहासकार रुडबेक ने स्वीडन को कई पीढ़ियों तक प्रभावित किया। रुडबेक गायक भी थे। 1675 में सम्राट कार्ल्स 11वें के राज्याभिषेक का गीत उन्होंने ही लिखा और गाया भी। नोबेल पुरस्कार वाले अल्फ्रेड नोबेल इन्ही रुडबेक के परिवार से आते थे। अल्फ्रेड नोबेल पिता इमैनुअल नोबेल 19वीं सदी की विशिष्ट प्रतिभाओं में एक थे। वह वैज्ञानिक, प्लानर, और इंजीनियर थे। मार्च 1928 में 27 साल की उम्र में वह पेटेंट हासिल करने लगे थे मगर इमैनुअल कारोबार करना चाहते थे। कंस्ट्रक्शन का धंधा किया जो 1835 में डूब गया। इमैनुअल दिवालिया हो गए। इसी साल अल्फ्रेड नोबेल का जन्म हुआ। 1842 में इमैनुअल नोबेल नए कारोबार की खोज फिनलैंड होते हुए रूस पहुंच गए। इंजीनियर इमैनुअल ने एक व्हीलबस बनाई जो उस वक्त का बड़ा आविष्कार थी।

ईरान की मानवाधिकार योद्धा नरगिस मोहम्मदी इसी अक्तूबर दुनिया की आदर्श बन गईं। ईरान के अधिनायकवादी शासन के खिलाफ संघर्ष में 31 साल से जेल में बंद नरगिस को सम्मानित कर नोबेल शांति पुरस्कार ने खुद को गौरवान्वित किया। अलबत्ता चिकित्सा, साहित्य, अर्थशास्त्र आदि में शोध और रचना के नए क्षितिज गढ़ने वालों को नोबेल पुरस्कारों की सुर्खियों के बीच कारोबारियों की दुनिया अंधेरे समुद्रों से उठने वाली कुछ खबरों के ओर–छोर तलाश रही थी। यह खबरें ईरान से भी जुड़ी थीं और रूस व वेनेजुएला से भी। बीते बरस जी7 देशों ने रूस के तेल पर एक अनोखी पाबंदी लगाई कि उसका तेल 60 डॉलर प्रति बैरल से महंगा नहीं बेचा जा सकता। पाबंदी इसलिए लगी क्योंकि रूस महंगा तेल बेच कर कमाई कर रहा है और जंग थोपकर यूक्रेन को तबाह कर रहा है। यह शर्त लागू हुई शिपिंग और जहाजों का बीमा करने वाली कंपनियों के जरिये। जहाज वाले अब 60 डॉलर से महंगा रूसी तेल नहीं उठायेंगी। उस माल और यात्रा का बीमा भी नहीं होगा। जी7 देशों ने इस सितंबर में जब तेल बाजार की तस्वीर देखी तो बगलें झांकने लगे। रूस पर इस सख्ती का कोई असर नहीं हुआ। उसका तेल बदस्तूर टैंकर शिप के जरिये चीन और भारत पहुंच रहा था। रूस ही क्यों, ईरान और वेनेजुएला भी प्रतिबंधों के धुर्रे बिखेर कर पूरी दुनिया में तेल बेचने घूम रहे थे। इस साल मई मलेशिया के पास पाब्लो नाम का एक टैंकर शिप हादसे का शिकार हुआ था। गैबन में रजिस्टर्ड 27 साल पुराना यह जहाज अवैध रूप से ईरान का कच्चा तेल दुनिया में पहुंचाता था। अब यह रूस के लिए भी काम कर रहा था। यह ऑयल टैंकर्स का डार्क फ्लीट है... तेल के कारोबार की दुनिया को पहली बार इनकी ताकत का अहसास हुआ है। इन डग्गामार आयल टैंकर जहाजों ने प्रतिबंधों को समुद्र में डुबा दिया है। यह पुराने जहाज बगैर बीमा के तेल ले जाते हैं और अब निकोलस मादुररो, ब्लादीमिर पुतिन और अल खमैनी की ऑयल कूटनीति का हिस्सा हैं। हम आपको ले चलते है स्वीडन के ऐतिहासिक शहर ऊप्साला। स्टॉकहोम से करीब 64 किलोमीटर दूर। उत्तरी यूरोप के इतिहास की चर्चा ऊप्साला के बिना नामुमकिन है। यह शहर प्राचीन नॉर्स धर्म का काशी, काबा या वेटिकन है। थोर, ओडिन फ्रेयर जैसे महान नॉर्स देवताओं के मंदिर का केंद्र ऊप्साला नॉर्स दंतकथाओं का केंद्र है। यही शहर पेगन और क्रिश्चियन धर्म के रक्तरंजित संघर्ष का गवाह भी है। कहते हैं उस युद्ध में ऊप्साला के महान मंदिर को जला दिया गया था। नेटफ्लिक्स पर वाइकिंग इतिहास की गाथाओं के साथ ऊप्साला नई पीढ़ी को रोमांचित कर रहा है। 15 सदी में बनी ऊप्साला यूनिवर्सिटी उत्तरी यूरोप के ज्ञान का केंद्र थी। यूनिवर्सिटी की मशहूर शख्सियत थे ओल्ड रुडबेक। चिकित्सा विज्ञानी, अन्वेषक, इतिहासकार रुडबेक ने स्वीडन को कई पीढ़ियों तक प्रभावित किया। रुडबेक गायक भी थे। 1675 में सम्राट कार्ल्स 11वें के राज्याभिषेक का गीत उन्होंने ही लिखा और गाया भी। नोबेल पुरस्कार वाले अल्फ्रेड नोबेल इन्ही रुडबेक के परिवार से आते थे। अल्फ्रेड नोबेल पिता इमैनुअल नोबेल 19वीं सदी की विशिष्ट प्रतिभाओं में एक थे।

वह वैज्ञानिक, प्लानर, और इंजीनियर थे। मार्च 1928 में 27 साल की उम्र में वह पेटेंट हासिल करने लगे थे मगर इमैनुअल कारोबार करना चाहते थे। कंस्ट्रक्शन का धंधा किया जो 1835 में डूब गया। इमैनुअल दिवालिया हो गए। इसी साल अल्फ्रेड नोबेल का जन्म हुआ। 1842 में इमैनुअल नोबेल नए कारोबार की खोज फिनलैंड होते हुए रूस पहुंच गए। इंजीनियर इमैनुअल ने एक व्हीलबस बनाई जो उस वक्त का बड़ा आविष्कार थी। इमैनुअल को सेना की मशीनें बनाने के ऑर्डर मिले तो उन्होंने फैक्ट्री लगा ली। 1854 में क्रीमिया के युद्ध के दौरान वह जंगी स्टीम जहाजों के इंजन बनाने लगे। मगर युद्ध खत्म होने के बाद उनकी कंपनी फिर दिवालिया हो गई। इमैनुअल अपने बेटे अल्फ्रेड के साथ स्टॉकहोम आ गए.अल्फ्रेड नोबेल बड़े आविष्कारक बने। जिनके नाम से नोबेल पुरस्कार दिया जाता है। तेल के डग्गामार जहाजों की रोमाचंक दास्तान अल्फ्रेड नोबेल के भाई रॉबर्ट और लुडविग नोबेल से संबंधित है। मामला कुछ ऐसा था कि दिवालिया होने के बाद जब इमैनुअल नोबेल अपने बेटे अल्फ्रेड के साथ रूस छोड़ रहे थे तब उनके कर्जदारों ने बेटों रॉबर्ट और लुडविग को रूस में रोक लिया। रॉबर्ट नाइट्रो ग्लिसरीन कंपनी चला रहे थे जो उनके पिता इमैनुअल ने लगाई थी। जबकि लुडविग के पास स्टील कंपनी थी जो रूस की सेना के लिए बंदूकें बनाती थी। तेल से कारोबार से रॉबर्ट का रिश्ता अजीबोगरीब ढंग से बना। लुडविग नोबेल की शादी हुई तो अपनी स्टील फैक्ट्री रॉबर्ट को को सौंपकर हनीमून पर चले गए। रॉबर्ट को बंदूकों के कुंदे बनाने के लिए लकड़ी चाहिए थी। वालनट की लकडी की तलाश में रॉबर्ट पहुंच गए अजरबैजान के शहर बाकू। यहां कच्चे तेल की खोज और खुदाई चल रही थी। रॉबर्ट 1875 में यहां एक पुरानी रिफाइनरी और कुछ जमीन खरीद दी। बाकू में नोबेल ब्रदर्स की कंपनी ब्रेनोबेल ने तेल का उत्पादन शुरु कर दिया था। दूसरी तरफ अमेरिका में रॉकफेलर की स्टैंडर्ड ऑयल तेल के कारोबार में तेजी से आगे बढ़ रही थी। अब मंच पर प्रवेश करते हैं लुडविग नोबेल यानी रॉबर्ट नोबेल के भाई। बाकू की पहली यात्रा में समझ गए कि तेल भविष्य का सोना है। उन्होंने इसमें निवेश बढ़ाया। 1875 में लुडविग ने ब्रेनोबेल के मैनेजरों को तेल प्रबंधन की तकनीक सीखने के लिए अमेरिका भेजा और एक साल में ही बाकू में नई तकनीक से तेल उत्पादन होने लगा। 1877 में रॉबर्ट और लुडविग ने बाकू से रूस के बाजारों तक तेल पहुंचाने की पाइपलाइन बिछा दी। यह पाइप लाइन ग्लासगो इंग्लैंड से आयात हुई थी। तब तेल का इस्तेमाल रोशनी के लिए किया जाता था। यह पैरफीन या केरोसिन होता था। नोबेल ब्रदर्स बाकू का तेल यूरोप भेजना चाहते थे। तब तक तेल के जहाजी टैंकर नहीं बने थे। तेल को लकड़ी की बड़ी बैरल में भरकर जहाजों के जरिये भेजा जाता था। लुडविग के पास रूस की सेना के लिए स्टीम शिप बनाने का तजुर्बा था। तेल टैंकर बनाने का एक प्रयोग 1872 में हो चुका था मगर उसका इस्तेमाल नहीं हुआ।

लुडविग ने जहाज के भार और पानी में संतुलन के विज्ञान पर प्रयोग करते हुए टैंकर में ब्लास्ट टैंक तकनीक विकसित की। लुडविग ने 1877 में स्वीडन के शहर नॉरचापिंग में मोटोला वर्क्स के शिपयार्ड को ऑयल टैंकर बनाने तकनीक और डिजाइन समझाई और दुनिया का पहला ऑयल टैंकर बनने लगा। बेरमस्टर स्टील पर बना यह जहाज 1877 में ब्रेनोबल कंपनी को मिल गया। इसका नाम था जोरसेस्टर .. जो फारस के प्राचीन धर्मगुरु जरस्थुत्र से मिला था। जोरसेस्टर के तेल की ग्लोबल यात्रा शुरु हो गई। यह जहाज बाकू से तेल और केरोसिन लेकर वोल्गा और कैस्पियन सागर के रास्तों अस्त्राखान और यूरोप जाने लगा। 1880 तक ब्रेनोबल का टैंकर बेड़ा बढ़ने लगा। इसमें शामिल हुआ अगले टैंकर का नाम था बुद्ध। फिर आया टैंकर नॉर्डेनशॉल्ड। यह नाम फिनलैंड–स्वीडिश वैज्ञानिक और अन्वेषक एरिक नॉर्डेनशॉल्ड के नाम पर रखा गया था। 1881 तक गोटेनबर्ग के शिपयार्ड ने ब्रेनोबल कंपनी के लिए छह और ऑयल टैंकर बनाए। इनके नाम थे मोहम्मद, ब्रह्मा, सॉकर्टीज (सुकरात), स्पिनोजा (क्रांतिकारी यहूदी डच दार्शनिक बरुच स्पिनोजा) और डार्विन (वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन)। ब्रेनोबल का छठा आयल टैंकर था पेट्रोलिया। लुडविग नोबेल के निधन के बाद इसका नाम बदल कर लुडविग किया गया। जोरसेस्टर ने दुनिया को टैंकरों की तकनीक सिखा दी थी। रूस और अमेरिका में नए टैंकर बनने शुरू हो गए। 2021 में दुनिया में करीब 9,000 ऑयल टैंकर शिप थे। जिनसे लगभग 1.83 अरब बिलियन मीट्रिक तेल का परिवहन हुआ। इनमें से कई जहाज एसे हैं जो पुराने हैं और समुद्र में गैर लाइसेंसी वाहनों की तरह चलते हैं वेनेजुएला और ईरान जैसे मुल्क प्रतिबंधों के बीच इनके जरिये तेल का निर्यात करते हैं। यूनिवर्सिटी की मशहूर शख्सियत थे ओल्ड रुडबेक। चिकित्सा विज्ञानी, अन्वेषक, इतिहासकार रुडबेक ने स्वीडन को कई पीढ़ियों तक प्रभावित किया। रुडबेक गायक भी थे। 1675 में सम्राट कार्ल्स 11वें के राज्याभिषेक का गीत उन्होंने ही लिखा और गाया भी। नोबेल पुरस्कार वाले अल्फ्रेड नोबेल इन्ही रुडबेक के परिवार से आते थे। अल्फ्रेड नोबेल पिता इमैनुअल नोबेल 19वीं सदी की विशिष्ट प्रतिभाओं में एक थे। वह वैज्ञानिक, प्लानर, और इंजीनियर थे। मार्च 1928 में 27 साल की उम्र में वह पेटेंट हासिल करने लगे थे मगर इमैनुअल कारोबार करना चाहते थे। कंस्ट्रक्शन का धंधा किया जो 1835 में डूब गया। इमैनुअल दिवालिया हो गए। इसी साल अल्फ्रेड नोबेल का जन्म हुआ। 1842 में इमैनुअल नोबेल नए कारोबार की खोज फिनलैंड होते हुए रूस पहुंच गए। इंजीनियर इमैनुअल ने एक व्हीलबस बनाई जो उस वक्त का बड़ा आविष्कार थी। इमैनुअल को सेना की मशीनें बनाने के ऑर्डर मिले तो उन्होंने फैक्ट्री लगा ली। 1854 में क्रीमिया के युद्ध के दौरान वह जंगी स्टीम जहाजों के इंजन बनाने लगे। मगर युद्ध खत्म होने के बाद उनकी कंपनी फिर दिवालिया हो गई।

खिलंदड़े युवा से महान प्रबंधक तक

आईबीएम की चमत्कारिक उपलब्धि ने डिजिटल दुनिया ही बदल कर रख दी थी। रेल्फ वॉटसन मैकइल्वेनी व मार्क वॉटमैन की नई किताब, द ग्रेटेस्ट कैपिटलिस्ट हू एवर लिव्ड इसके केंद्र रहे थॉमस जे वॉटसन जूनियर की दिलचस्प जिन्दगी और आईबीएम के शानदार सफर का पठनीय खाका पेश करती है। वॉटसन जूनियर का योगदान दरअसल आधुनिक विश्व के निर्माण में रॉकफेलर, मॉर्गन आदि से कहीं ज्यादा ही था। तकनीकी रूपांतरण के दौर में जूनियर ने पीसी की शुरुआत कर आईबीएम और उसके कर्मचारियों को तो जोखिम में डाला ही था, अपने भाई से उनका विवाद इस कदर बढ़ा कि भाई की मृत्यु के बाद उनकी खुद की मृत्यु की भी आशंका बन गई थी। युवावस्था में थॉमस जे वॉटसन की नियति निरंतर विफल होने की थी। तीन अलग–अलग स्कूलों में पढ़ते हुए बेहद मुश्किल से उन्होंने हाई स्कूल डिप्लोमा किया। उनके पिता वॉटसन सीनियर का अपने बेटे के प्रति अजीब व्यवहार था। नतीजतन वॉटसन जूनियर विद्रोही और बिगड़ैल बन गए। यह किताब वॉटसन जूनियर के बारे में दोटूक बताती है कि वह अपने पिता की कंपनी में काम करना कतई नहीं चाहते थे। इसके बावजूद जूनियर ने न सिर्फ अपने पिता की कंपनी संभाली, बल्कि अपने आज्ञाकारी छोटे भाई को पिता का साम्राज्य संभालने के लिए प्रेरित और तैयार भी किया। यह अजीब है कि अपने पिता के प्रति विकर्षण ने ही जूनियर को आईबीएम को बचाने के लिए प्रेरित किया। अमेरिका के द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल होने से ठीक पहले वायुसेना में शामिल होकर बी–24 विमान उड़ाकर उनमें आत्मविश्वास पैदा हुआ। किताब में जूनियर को महानतम पूंजीवादी बताया गया है, लेकिन उन्हें महानतम प्रबंधक कहना ज्यादा उचित होगा, क्योंकि वह अपने कर्मचारियों की प्रतिभा के साथ पूरा न्याय करते थे। पिता के साथ विवाद में अप्रत्याशित रूप से उन्हें जस्टिस डिपार्टमेंट के उस एंटी ट्रस्ट विभाग का साथ मिला, जिसका अमेरिकी की कॉरपोरेट दुनिया में खासकर उत्तराधिकार के मामले में हस्तक्षेप रहता आया है। आईबीएम के मालिकाना विवाद का इतिहास तो अपनी जगह है ही, टेक इंडस्ट्री में आईबीएम के लंबे वर्चस्व को भी नहीं भूलना चाहिए। मसलन, टेक इंडस्ट्री में आज कैजुअल ड्रेस की जो प्रवृत्ति है, वह वस्तुतरू 1970 के दशक में एपल जैसी कंपनियों द्वारा आईबीएम के सख्त ड्रेस कोड की प्रतिक्रिया का नतीजा था, आईबीएम में डार्क सूट, सफेद शर्ट और पारंपरिक टाई का बेहद सख्ती से पालन किया जाता था। आईबीएम पर यह पहली किताब नहीं है, न ही वॉटसन पिता–पुत्रों के रिश्तों के बारे में यह पहली पुस्तक है। वर्ष 1990 में खुद जूनियर ने फादर, सन एंड कंपनी लिखी थी, जो बेस्ट सेलर थी। लेकिन आईबीएम पर लिखी गई यह संभवतरू सबसे विशद और प्रामाणिक पुस्तक है। वॉटसन जूनियर का योगदान दरअसल आधुनिक विश्व के निर्माण में रॉकफेलर, मॉर्गन आदि से कहीं ज्यादा ही था। तकनीकी रूपांतरण के दौर में जूनियर ने पीसी की शुरुआत कर आईबीएम और उसके कर्मचारियों को तो जोखिम में डाला ही था, अपने भाई से उनका विवाद इस कदर बढ़ा कि भाई की मृत्यु के बाद उनकी खुद की मृत्यु की भी आशंका बन गई थी। युवावस्था में थॉमस जे वॉटसन की नियति निरंतर विफल होने की थी। तीन अलग–अलग स्कूलों में पढ़ते हुए बेहद मुश्किल से उन्होंने हाई स्कूल डिप्लोमा किया। उनके पिता वॉटसन सीनियर का अपने बेटे के प्रति अजीब व्यवहार था। नतीजतन वॉटसन जूनियर विद्रोही और बिगड़ैल बन गए। यह किताब वॉटसन जूनियर के बारे में दोटूक बताती है कि वह अपने पिता की कंपनी में काम करना कतई नहीं चाहते थे। इसके बावजूद जूनियर ने न सिर्फ अपने पिता की कंपनी संभाली, बल्कि अपने आज्ञाकारी छोटे भाई को पिता का साम्राज्य संभालने के लिए प्रेरित और तैयार भी किया। यह अजीब है कि अपने पिता के प्रति विकर्षण ने ही जूनियर को आईबीएम को बचाने के लिए प्रेरित किया। अमेरिका के द्वितीय विश्व युद्ध में शामिल होने से ठीक पहले वायुसेना में शामिल होकर बी–24 विमान उड़ाकर उनमें आत्मविश्वास पैदा हुआ। किताब में जूनियर को महानतम पूंजीवादी बताया गया है, लेकिन उन्हें महानतम प्रबंधक कहना ज्यादा उचित होगा, क्योंकि वह अपने कर्मचारियों की प्रतिभा के साथ पूरा न्याय करते थे। पिता के साथ विवाद में अप्रत्याशित रूप से उन्हें जस्टिस डिपार्टमेंट के उस एंटी ट्रस्ट विभाग का साथ मिला, जिसका अमेरिकी की कॉरपोरेट दुनिया में खासकर उत्तराधिकार के मामले में हस्तक्षेप रहता आया है। आईबीएम के मालिकाना विवाद का इतिहास तो अपनी जगह है ही, टेक इंडस्ट्री में आईबीएम के लंबे वर्चस्व को भी नहीं भूलना चाहिए।

लंका में रावण ने सीता को क्यों नहीं किया स्पर्श

शीतल और मंद समीर का झोंका आता तो पल्लवित वृक्ष, पुष्प–वर्षा करने लगते जिससे पूरा क्षेत्र सुवासित हो उठता था। ऐसे मनोहारी वातावरण में रावण का मन काम से उन्मत्त हो उठा। इसी बीच रावण की दृष्टि एक युवती पर पड़ी। रावण उसके सौंदर्य पर मंत्रमुग्ध हो गया। इस घोर अंधकार में इतनी सुंदर युवती कौन है और कहां जा रही है? रावण ने सोचा। वह धीरे–धीरे युवती के निकट पहुंचा। युवती के तन पर चंदन का लेप लगा था और बालों में कल्पतरु के फूल गुंथे थे। उसका मुख चांद–सा उज्ज्वल था और भवें धनुष के समान तनी थीं। उसे देखकर काम के वशीभूत रावण संयम खो बैठा। उसने आगे बढ़कर युवती का हाथ पकड़ लिया। 'हे रूपसी! तुम कौन हो और कहां जा रही हो?

आशुतोष गर्ग

एक दिन रावण कैलाश पर्वत के निकट से गुजर रहा था। दिन ढल चुका था। कैलाश का रमणीय वातावरण देखकर रावण ने रात्रि वहीं पर व्यतीत करने का निश्चय किया। आकाश में चंद्रमा देदीप्यमान था। मंदाकिनी नदी के सुरीले स्वर तथा कदंब, चंपा और मंदार पुष्पों की सुगंध ने वातावरण को और मनमोहक बना दिया था। किन्नर गीत गा रहे थे और मदमाते विद्याधर अपनी प्रेमिकाओं के साथ क्रीड़ा में मग्न थे। शीतल और मंद समीर का झोंका आता तो पल्लवित वृक्ष, पुष्प–वर्षा करने लगते जिससे पूरा क्षेत्र सुवासित हो उठता था। ऐसे मनोहारी वातावरण में रावण का मन काम से उन्मत्त हो उठा। इसी बीच रावण की दृष्टि एक युवती पर पड़ी। रावण उसके सौंदर्य पर मंत्रमुग्ध हो गया। इस घोर अंधकार में इतनी सुंदर युवती कौन है और कहां जा रही है? रावण ने सोचा। वह धीरे–धीरे युवती के निकट पहुंचा। युवती के तन पर चंदन का लेप लगा था और बालों में कल्पतरु के फूल गुंथे थे। उसका मुख चांद–सा उज्ज्वल था और भवें धनुष के समान तनी थीं। उसे देखकर काम के वशीभूत रावण संयम खो बैठा। उसने आगे बढ़कर युवती का हाथ पकड़ लिया। 'हे रूपसी! तुम कौन हो और कहां जा रही हो?' रावण ने पूछा। रावण के रंग–रूप को देखकर युवती सहम गई। 'आप कौन हैं?' उसने हाथ छुड़ाते हुए पूछा। मैं लंका का स्वामी और राक्षसराज रावण हूं। यहां का मनोहारी वातावरण देखकर रुक गया। तुमने बताया नहीं कि तुम कौन हो? राकृवकृण...!

तातश्री, मैं देवलोक की अप्सरा हूं और मेरा नाम रंभा है।' रंभा ने प्रणाम करके कहा। 'वाह!' दशानन प्रसन्न होकर बोला, 'अप्सरा और राक्षसराज का अच्छा संयोग बनेगा। लेकिन तुमने मुझे तातश्री क्यों कहा?' ..क्योंकि मैं आपकी पुत्रवधू के समान हूं। 'मेरी पुत्रवधू? वो कैसे?' रावण ने आश्चर्य से पूछा। 'मैं आपके सौतेले भाई धनेश्वर कुबेर के पुत्र नलकूबर से प्रेम करती हूं और उन्हीं से मिलने जा रही हूं।' 'हा! हा!' रावण ने ठहाका लगाया। 'अप्सराएं कब–से प्रेम करने लगीं? प्रेम और निष्ठा साधारण स्त्रियों को शोभा देता है। तुम अप्सरा हो और तुम्हारा कार्य केवल नृत्य और मनोरंजन करना है। इसके लिए नलकूबर के पास जाने की क्या आवश्यकता है? मेरे होते हुए तुम्हारी सुंदर और कमनीय काया का भोग कोई और करे, यह मैं नहीं होने दूंगा!' रावण पर काम हावी हो गया था। रंभा ने रावण को पिता–तुल्य बताकर कई बार उससे आग्रह किया कि वह उसे नलकूबर के पास जाने की अनुमति दे। परंतु रावण ने निर्लज्जता की सब सीमाएं पार कर दीं। मैं त्रिलोकपति रावण तुमसे प्रेम की याचना कर रहा हूं और तुम मेरा अपमान करके उस कायर कुबेर के पुत्र नलकूबर के पास जाना चाहती हो? मैं यह नहीं होने दूंगा। मेरे निकट आओ!' यह कहकर रावण ने रंभा को बलपूर्वक पर्वत–शिला पर पटक दिया। वासना के ज्वार के शांत हो जाने तक रावण रंभा का मर्दन करता रहा। फिर वह अपने शिविर में लौट आया। इधर, रोती–बिलखती रंभा ने नलकूबर को सारी बात बताई। इस पर नलकूबर की आंखें क्रोध से लाल हो गईं और भुजाएं फड़कने लगीं। वह जानता था कि रावण से लड़कर उसे परास्त नहीं किया जा सकता था। इसलिए नलकूबर ने हाथ में जल लेकर शाप दिया कि– 'कामी और धूर्त रावण कभी किसी स्त्री को उसकी इच्छा के विरुद्ध स्पर्श भी नहीं कर सकेगा। उसने ऐसा किया तो उसके सिर के सात टुकड़े हो जाएंगे रावण को शाप का पता लगा तो वह भयभीत हो गया। उस दिन के बाद से रावण ने पर–स्त्रियों के साथ दुराचार छोड़ दिया। कहते हैं, इसी कारण रावण ने सीता को लंका में बंदी बनाकर तो रखा किंतु शाप के डर से वह सीता को कभी स्पर्श नहीं कर पाया। शीतल और मंद समीर का झोंका आता तो पल्लवित वृक्ष, पुष्प–वर्षा करने लगते जिससे पूरा क्षेत्र सुवासित हो उठता था। ऐसे मनोहारी वातावरण में रावण का मन काम से उन्मत्त हो उठा। इसी बीच रावण की दृष्टि एक युवती पर पड़ी। रावण उसके सौंदर्य पर मंत्रमुग्ध हो गया। इस घोर अंधकार में इतनी सुंदर युवती कौन है और कहां जा रही है? रावण ने सोचा। वह धीरे–धीरे युवती के निकट पहुंचा। युवती के तन पर चंदन का लेप लगा था और बालों में कल्पतरु के फूल गुंथे थे। उसका मुख चांद–सा उज्ज्वल था और भवें धनुष के समान तनी थीं। उसे देखकर काम के वशीभूत रावण संयम खो बैठा। उसने आगे बढ़कर युवती का हाथ पकड़ लिया। 'हे रूपसी! तुम कौन हो और कहां जा रही हो?' रावण ने पूछा। रावण के रंग–रूप को देखकर युवती सहम गई। 'आप कौन हैं?' उसने हाथ छुड़ाते हुए पूछा। मैं लंका का स्वामी और राक्षसराज रावण हूं। यहां का मनोहारी वातावरण देखकर रुक गया। तुमने बताया नहीं कि तुम कौन हो? राकृवकृण...! तातश्री, मैं देवलोक की अप्सरा हूं और मेरा नाम रंभा है।' रंभा ने प्रणाम करके कहा। 'वाह!' दशानन प्रसन्न होकर बोला, 'अप्सरा और राक्षसराज का अच्छा संयोग बनेगा। लेकिन तुमने मुझे तातश्री क्यों कहा?' ..क्योंकि मैं आपकी पुत्रवधू के समान हूं। 'मेरी पुत्रवधू? वो कैसे?' रावण ने आश्चर्य से पूछा।

'मैं आपके सौतेले भाई धनेश्वर कुबेर के पुत्र नलकूबर से प्रेम करती हूं और उन्हीं से मिलने जा रही हूं।' 'हा! हा!' रावण ने ठहाका लगाया। 'अप्सराएं कब–से प्रेम करने लगीं? प्रेम और निष्ठा साधारण स्त्रियों को शोभा देता है। तुम अप्सरा हो और तुम्हारा कार्य केवल नृत्य और मनोरंजन करना है। इसके लिए नलकूबर के पास जाने की क्या आवश्यकता है? मेरे होते हुए तुम्हारी सुंदर और कमनीय काया का भोग कोई और करे, यह मैं नहीं होने दूंगा!' रावण पर काम हावी हो गया था। रंभा ने रावण को पिता–तुल्य बताकर कई बार उससे आग्रह किया कि वह उसे नलकूबर के पास जाने की अनुमति दे। परंतु रावण ने निर्लज्जता की सब सीमाएं पार कर दीं।

कांग्रेस ने सरदार पटेल के महत्वपूर्ण योगदानों को इतिहास के पन्नो से मिटाने का कार्य किया : अजीत सिंह बब्बन

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर भाजपा जिला अध्यक्ष ने पुष्प अर्पित कर कहा कि भारत की एकता को अक्षुण रखने में सरदार पटेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, उनके सशक्त निर्णय के फलस्वरूप भारत अखंड बना पर तुष्टिकरण की राजनीति करने वाली कांग्रेस ने उन्हें वह सम्मान नहीं दिया। जिस सम्मान के वह हकदार थे, बल्कि ऐसे महापुरुषों और उनके योगदानों को भारत के मनस से मिटाने का कार्य किया।

भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गई सरदार पटेल की जयंती पर कहा कि कांग्रेस ने सरदार पटेल के महत्वपूर्ण योगदानों को इतिहास के पन्नो से मिटाने का कार्य किया। आखिरकार भाजपा और पीएम मोदी ने सालों पुरानी इस गलती को सुधारा और राष्ट्र की बहुमूल्य धरोहर को सम्मान के साथ उनके कार्यों को जन जन तक पहुंचाने का काम किया।

आज भी भारत के दुश्मन देश के बाहर और अंदर बैठकर हर पल भारत को खंडित और राष्ट्र की एकता को भंग करने के कुत्सित प्रयास में लगे रहते है, लेकिन उनके इन प्रयासों को धूल में मिलने का काम सरदार पटेल की धरती से जन्म लिए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने में लगे हुए है। 2014 के बाद देश में एक भी आतंकवादी घटना नहीं घटी, देश आज आर्थिक प्रगति के नए नए आयाम गढ़ते हुए विश्व की पांचवी अर्थव्यवस्था बन गया और तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के पथ पर लगातार बढ़ रहा है। पीएम नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में देश और प्रदेश आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बना है। देश के बच्चों से लेकर युवा, महिलाएं या वरिष्ठ नागरिक हो भाजपा सरकार सभी के लिए एकसमान भाव रखते हुए सबका विकास करने में लगी हुई है। सबका विकास और सबका विश्वास के नारे को भाजपा सरकार ने चरितार्थ करके दिखाया है। देश में लगातार दो बार और 2024 में भी जनता के आशिर्वाद से रिकार्ड कायम करते हुए तीसरी बार पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनाएंगे।

2014 से पहले क्षेत्रवाद, जातिवाद, तुष्टिकरण, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे राजनैतिक रूप से चुनावों में छाए रहते थे, पर जब से भाजपा की सरकार बनी है यह सभी मुद्दे आज हाशिए पर अंतिम सांसे ले रहे है क्योंकि अब चुनाव विकास के बल पर लड़े जा रहें है।

राहुल गांधी हो या अखिलेश यादव इन जैसे नेताओं की राजनीति जमीन से नहीं आसमानी होती है। वह जानता की दुख दर्द तकलीफे नहीं समझते। उन्हे सिर्फ सत्ता चाहिए, उन्हे इससे मतलब नहीं कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास कैसे पहुंचे। गरीब भी चाहता है कि उसकी आर्थिक तरक्की हो और आत्मसम्मान के साथ सर उठा के समाज में चले। कांग्रेस और सपा जैसे राजनैतिक दलों ने जाति और धर्म की राजनीति कर कई पीढ़ियों को बर्बाद कर दिया।

प्रमुख रूप से जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा ओम वर्मा जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक सत्यम शुक्ला आदि मौजूद रहे।

शालीमार कॉर्प ने अपने ग्राहकों और एसोसिएट्स को दिए बंपर तोहफे, त्यौहारों को बनाया यादगार

लकी ड्रॉ में राधे श्याम सचदेव बने ग्रैंड विटारा के भाग्यशाली विजेता

रियल एस्टेट कंपनी ने 75 ग्राहकों को 7 लाख रूपये के गोल्ड वाउचर उपहार में दिए

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अपने ग्राहकों के लिए दशहरा और दिवाली के जश्न को अधिक खास और यादगार बनाने के उद्देश्य से, शालीमार कॉर्प ने शुक्रवार को आईआईएम रोड पर शालीमार गार्डन बे सेलेक्ट शालीमार लकी ड्रॉ इवेंट का आयोजन किया। लकी ड्रॉ में राधे श्याम सचदेव ग्रैंड विटारा के विजेता घोषित हुए और साथ ही 75 अन्य ग्राहकों को 7 लाख रुपये तक के गोल्ड वाउचर दिए जाने की भी घोषणा की गई।

लकी ड्रॉ इवेंट में गायिका नीति मोहन के शानदार प्रदर्शन ने भाग्यशाली विजेताओं के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी।

लकी ड्रॉ में 500 से अधिक ग्राहकों ने भाग लिया था, जिसमें से एक भाग्यशाली विजेता को एक नई ग्रैंड विटारा कार मिली, जबकि 75 अन्य ग्राहकों को गोल्ड वाउचर और अन्य उपहार प्राप्त हुए।

शालीमार कॉर्प में फेस्टिव सीजन के जश्न में न केवल ग्राहकों को उपहारों के साथ सरप्राइज दिया, बल्कि शालीमार के एसोसिएट पार्टनर्स ने भी रोमांचक पुरस्कार जीते। अपने 50 एसोसिएट्स को सम्मानित करने की घोषणा करते हुए, शालीमार कॉर्प ने अपने 19 एसोसिएट्स को एक निःशुल्क विदेश यात्रा के साथ यादगार फेस्टिवल सरप्राइज दिया, जबकि उनमें से तीन ने एक आईफोन भी जीता और अन्य को उपहार वाउचर से पुरस्कृत किया गया।

शालीमार कॉर्प के होलटाइम डायरेक्टर श्री खालिद मसूद ने कहा, ष्रोमांचक पुरस्कारों ने निश्चित रूप से हमारे कस्टमर्स और हमारे एसोसिएट्स दोनों के चेहरे पर मुस्कान ला दी, जिन्होंने सबसे आकर्षक पुरस्कार जीते हैं। हमें विश्वास है कि हमारे बायर्स हम पर अपना भरोसा कायम रखेंगे। हम उन्हें भविष्य में और भी अधिक प्रतिष्ठित रेजिडेंशियल और रिटेल स्पेस ऑफर करने जा रहे हैं।

सिविल डिप्लोमा इंजीनियर संघ का चुनाव संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । सिविल डिप्लोमा इंजीनियर संघ का जनपद अधिवेशन इंजीनियर अवधेश कुमार के अध्यक्षता में निरीक्षण भवन नलकूप खंड जौनपुर के प्रांगण में संपन्न हुआ । अधिवेशन में जनपद के एक वर्षीय जनपद कार्यकारिणी का गठन चुनाव अधिकारी इंजीनियर हेमराज सिंह मंडल अध्यक्ष वाराणसी की देखरेख में संपन्न हुआ । जिसमें इंजीनियर अवधेश कुमार को अध्यक्ष, इंजीनियर रिपुंजय मौर्य उपाध्यक्ष, इंजीनियर जितेंद्र यादव सचिव, इंजीनियर शशी बिंद कुमार वित्त सचिव, इंजीनियर अवनीश कुमार मौर्य संगठन सचिव ,इंजीनियर विवेकानंद लेखा संपरिक्षक, इंजीनियर आदर्श बाबू को जनपद परामर्श दाता निर्विरोध निर्वाचित किया गया ।

इकाना स्टेडियम में दो मिनट के लिए बिजली हुई बंद

लखनऊ (संवाददाता) । भारत और इंग्लैंड के बीच चल रहे मैच के दौरान इकाना स्टेडियम की लाइट अचानक बंद हो गई। 7 बजकर 41 मिनट कुछ लाइटें बंद हो गईं। हालांकि यह अंधेरा ऐसा नहीं था। कुछ लाइटें जल भी रहीं थीं। दो मिनट के बाद बिजली लौट आई। ऐसा कहा जा रहा है कि मैदान में यह लाइट जानबूझ कर बंद की जाती हैं ताकि दर्शक कम रोशनी में एंज्वाय कर सकें। इन दो मिनटों में दर्शकों ने खूब लुत्फ उठाया। उन्होंने अपने मोबाइल की टॉर्च जलाकर गानों पर डांस करने लगे। उस समय मां तुझे सलाम गाना बज रहा था।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती विश्व एकता दिवस के रूप में मनायी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एस0 के0 डी0 एकेडमी की पाँचों शाखाओं में (31 अक्टूबर) सरदार वल्लभ भाई पटेल लौह पुरूष को 148 वीं जयंती मनाकर उन्हें श्रद्धांजली एवं नमन किया गया। इस दिन को बच्चों ने विष्व एकता दिवस के रूप में मनाया। सभी शाखाओं में बच्चों ने रन फॉर यूनिटी मार्च निकाली और राष्ट्रीय एकता दिवस के बारे मे लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया। साथ ही एसेम्बली में शपथ ली गई। इस अवसर पर बच्चों को सम्बोधित करते हुए एकेडमी के निदेशक मनीष सिंह ने बताया कि ''सरदार पटेल उप प्रधानमंत्री और भारत के प्रथम गृह मंत्री थे। आजादी के बाद दो सौ से ज्यादा रियासतों के भारत में विलय का श्रेय सरदार पटेल को दिया जाता है। उन्हें 1991 में मरणोपरांत भारत रत्न दिया गया। उन्हें लौह पुरूष के नाम से भी जाना जाता है। 31 अक्टूबर को पूरा देष राष्ट्रीय एकता दिवस मनाता है।''

उन्होंने कहा कि मेरी एक इच्छा है कि भारत एक अच्छा उत्पादक हो और इस देष में अन्न के अभाव में कोई भूखा न रहे।

इस देष की मिट्टी में कुछ अनुठा है जो कई बाधाओं के बावजूद हमेषा महान आत्माओं का निवास रहा है।

विष्वास और शक्ति दोनों किसी महान कार्य को करने के लिए आवष्यक है।

स्टेडियम की बदइंतजामी ने किया परेशान, एक चाय की कीमत 100 रुपये, समोसा बिका 70 का

लखनऊ (संवाददाता) । अपनी नजाकत, नफासत और मेहमाननवाजी के लिए मशहूर लखनऊ शहर में हुए क्रिकेट मैच में बदइंतजामी की मार दिखाई पड़ी। मैच देखने आए दर्शक पांच बार चेकिंग कराकर स्टेडियम के भीतर पहुंचे तो कोई उनको कोई सीट बताने वाला नहीं था। इसका असर यह हुआ कि लोग अपनी के बजाय दूसरे की सीट पर बैठ गए। ऐसे में पूरे मैच के दौरान लोग सीट को लेकर आपस में झगड़ते रहे। दावा था कि मैच देखने आए हर दर्शक को एक–एक पानी की बोतल मिलेगी। यह दावा हवा हवाई निकला। एक स्थान पर पीने का पानी रखा गया, लेकिन वहां इतनी गंदगी हो गई कि लोगों का वहां पहुंचना दूभर हो गया। बची खुची कसर खाने के बेहद महंगे सामान ने पूरी कर दी। खाने के सामान का आलम यह था कि 70 रुपये में दो छोटे समोसे मिल रहे थे। कोल्ड ड्रिंक, पॉप कॉर्न और मोमोज के लिए लोगों से सौ सौ रुपये लिए गए। चिप्स के पैकेट भी एमआरपी से दोगुने दाम पर बेचे गए। टी–20 में कम समय का मैच होने की वजह से बिना खाए पीए लोगों का काम चल सकता है, लेकिन 50 ओवर के मैच के दौरान ऐसा संभव नहीं था। ऐसे में मजबूरी में लोगों ने महंगा सामान खरीदकर अपनी भूख मिटाई। मैच के दौरान कई बार ऐसा भी हुआ कि स्टॉल पर जाने पर भी उनको समोसे आदि खत्म होने की बात बताई गई। स्टेडियम में भारत–इंग्लैंड के मैच से पहले विश्व कप के तीन मैच हो चुके हैं। इसके बावजूद कई सीटों की हालत बेहद खराब थी। उन पर चाय और कॉफी गिरकर सूख चुकी थी, लेकिन किसी ने उसे साफ करने की जहमत नहीं उठाई थी। ऐसे में काफी लोगों को जमीन पर बैठकर मैच देखना पड़ा। मैच के दौरान स्टेडियम के वॉशरूम की हालत बेहद खराब हो गई। इसमें पानी भरा हुआ था। ऐसे में लोग इसका उपयोग नहीं कर पा रहे थे। लोगों ने इस पर नाराजगी जताई तब जाकर काफी देर बाद सफाई कर्मचारी वहां आया, लेकिन थोड़ी ही देर में उसकी हालत फिर से वैसी हो गई। मैच देखने आए दर्शक पहली पारी में एक कप चाय के लिए तरस गए। इन्हें दूसरी पारी शुरू होने पर चाय मिल सकी। खास बात यह रही कि ये एक कप चाय के लिए 100 रुपये वसूले गए। इसका असर यह हुआ कि लोग अपनी के बजाय दूसरे की सीट पर बैठ गए। ऐसे में पूरे मैच के दौरान लोग सीट को लेकर आपस में झगड़ते रहे। दावा था कि मैच देखने आए हर दर्शक को एक–एक पानी की बोतल मिलेगी। यह दावा हवा हवाई निकला।

सरदार पटेल के विचार सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक-विनोद प्रताप वर्मा कार्यवाहक प्रधानाचार्य

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

'पाली–(हरदोई)' भारत रत्न, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती मंगलवार को कस्बे के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई गयी। कार्यवाहक प्रधानाचार्य विनोद प्रताप वर्मा ने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्र/छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि सरदार पटेल के विचार सभी के लिए अत्यंत प्रेरणादायक हैं। उनकी दूरदर्शी सोच ने हमारे राष्ट्र को एकता के सूत्र में पिरोया। उन्होंने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल को श्रध्दा सुमन अर्पित किये। इसी क्रम में कालेज के सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्रध छात्राओं ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया। शिक्षक सोनू कुमार ने सभी शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्रध छात्राओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस अवसर विजय कुमार यादव ने लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर सभी शिक्षक, कर्मचारी व छात्रध्छात्रायें उपस्थित रहे।

9760 ने परीक्षा से किया किनारा

सीतापुर (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रांरभिक अर्हता परीक्षा में 9760 परीक्षार्थियों ने बिना प्रश्नपत्र देखे ही इससे किनारा कर लिया। करीब आधे घंटे तक केंद्र व्यस्थापक इनके आने का इंतजार करते रहे। जब यह नहीं आए तो इन्हें फाइनल तौर पर गैर हाजिर माना लिया गया। वहीं बेहतर भविष्य की खातिर 12789 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में हिस्सा लिया। पीईटी शहर के 25 केंद्रों पर दो पालियों में आयोजित की गई। परीक्षार्थी गैर जनपद से आने के कारण वह समय से पहले ही अपने केंद्र पर पहुंच गये। स्कूल के बाहर लगी लिस्ट में अपना देखा नाम। उसके बाद निर्धारित कक्ष संख्या में पहुंच गये। प्रश्नपत्र देखकर कई परीक्षार्थी चकरा गये। परीक्षार्थियों ने बताया गणित के प्रश्न काफी अनसुलझे थे। इनको समझकर हल करने में काफी अधिक समय लग गया।

पीईटी में दबोचे गए दो सॉल्वर

लखनऊ (संवाददाता) पीईटी में शनिवार को मड़ियांव के दो परीक्षा केंद्रों से दो सॉल्वर को बायोमीट्रिक जांच में पकड़ लिया गया। दोनों को पुलिस के हवाले कर केस दर्ज कराया गया है। सीतापुर रोड स्थित बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी की प्रधानाचार्य डॉ. अनूप कुमारी शुक्ला के अनुसार शनिवार सुबह परीक्षा के दौरान इनोवेटिव इंडिया प्रा.लि. के हेड तेजश दुबे के माध्यम से सूचना मिली कि परीक्षार्थी विकास यादव का आधार बायोमीट्रिक डाटा मिसमैच कर रहा है। इस पर अभ्यर्थी की जगह परीक्षा दे रहे बिहार निवासी हर्ष कुमार को पकड़ गया। पूछताछ में उसने बताया कि अभ्यर्थी विकास यादव की जगह परीक्षा देने के लिए उसे रुपये मिले थे। प्रधानाचार्य ने विकास और हर्ष कुमार के खिलाफ मड़ियांव थाने में केस दर्ज कराया। इसी तरह फैजुल्लागंज के द ओएफ पब्लिक इंटर कॉलेज में अभ्यर्थी आजमगढ़ निवासी सोनू चौहान की जगह परीक्षा दे रहे सॉल्वर बिहार के समस्तीपुर के थाना हसनपुर निवासी अवनीश कुमार को पकड़ा गया।

भारत की यादगार जीत के बाद आतिशबाजी से जगमगा उठा इकाना स्टेडियम, विदेशोंसे आए थेदर्शक

लखनऊ (संवाददाता) । लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में विश्वकप 2023 के खेले गए मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड पर 100 रनों की यादगार जीत दर्ज की। जीत के बाद स्टेडियम का नजारा देखने वाला था। पूरा स्टेडियम आतिशबाजी से जगमगा उठा। दर्शकों भी झूमते नजर आए। इस मैच को देखने के लिए देश–विदेश से दर्शक आए थे। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में विश्वकप 2023 के खेले गए मुकाबले में भारत ने इंग्लैंड पर 100 रनों की यादगार जीत दर्ज की। जीत के बाद स्टेडियम का नजारा देखने वाला था। पूरा स्टेडियम आतिशबाजी से जगमगा उठा। दर्शकों भी झूमते नजर आए। इस मैच को देखने के लिए देश–विदेश से दर्शक आए थे। भारत–इंग्लैंड के विश्वकप मुकाबले का लुत्फ उठाने के लिए विदेशी दर्शक भी नवाबों के शहर पहुंचे। क्रिकेट दुनिया की दो दिग्गज टीमों के बीच हुए रोमांचक मैच को लेकर इनमें जबदस्त उत्साह दिखा। इनके दिल में तो इंग्लैंड बसा है पर जुबां पर विराट कोहली का नाम था। ऑनलाइन टिकट बुक कराने के बाद टिकट विंडो पर हार्डकॉपी लेने पहुंचे विदेशी दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान थी। इंग्लैंड से आए क्रिस ने कहा, उन्हें खिलाड़ी के रूप में विराट कोहली पसंद है। उम्मीद है कि भारत–इंग्लैंड के बीच अच्छा मुकाबला देखने को मिलेगा। क्रिस की मित्र एना के दिल में तो इंग्लैंड की टीम बसी है, लेकिन जुबां पर विराट कोहली का नाम है। मैदान के बाहर मैच शुरू होने के बाद भी दर्शकों की भीड़ कम नहीं हुई। मैदान के बाहर मैच शुरू होने के बाद भी दर्शकों की भीड़ कम नहीं हुई।

डेंगू से छात्रा की मौत स्वास्थ्य विभाग ने किया इंकार

सीतापुर (संवाददाता)। शहर के मैथोडिस्ट मिशन जूनियर हाईस्कूल की एक छात्रा की डेंगू से मौत हो गई। छात्रा का लखनऊ के एक निजी चिकित्सालय में इलाज चल रहा था। हालांकि स्वास्थ्य विभाग ने मौत की जानकारी से इंकार किया है। रमा शुक्ला (15) कक्षा नौ की छात्रा थी। रमा को बुखार आने पर पहले परिजनों ने शहर के एक अस्पताल में दिखाया था। चिकित्सकों ने डेंगू होने की पुष्टि की। जब हालात में सुधार नहीं हुआ तो लखनऊ में भर्ती कराया। यहां पिछले 15 दिनों से उसका इलाज चल रहा था। रविवार को लखनऊ में इलाज के दौरान छात्रा ने दम तोड़ दिया। सीएमओ डॉ. हरपाल सिंह ने बताया कि छात्रा की डेंगू से मौत होने की कोई जानकारी नहीं है।

इकाना डायरी- शमी की आंखों में पड़ा कीड़ा

मैच के दौरान सात बजकर 41 मिनट पर अचानक फ्लड लाइट बंद कर दी गई और लेजर शो शुरू हो गया

लखनऊ (संवाददाता) । दूसरी पारी के दौरान 24वें ओवर में शमी ने पहली ही गेंद पर मोईन अली को विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद अगली गेंद फेंकने से पहले उनकी आंख में कीड़ा पड़ गया। इस पर दर्शक मजाक में बोलने लगे की नया बैट्समैन आंख में अखर रहा है। इस पर दर्शकों के बीच खूब ठहाके लगे। मैच के दौरान सात बजकर 41 मिनट पर अचानक फ्लड लाइट बंद कर दी गई और लेजर शो शुरू हो गया। इसका दर्शकों ने गाने के साथ लुत्फ उठाया। दो मिनट के बाद फ्लड लाइट ऑन की गई और मैच दोबारा शुरू हो गया। इसके बाद आठ बजकर 48 मिनट पर एक बार फिर से लेजर शो शुरू किया गया। मैच के साथ की दर्शक मैदान पर लगीं दो बड़ी स्क्रीन का आनंद भी ले रहे थे। दरअसल जब कैमरा दर्शक दीर्घा की तरफ घूमता तो सभी उसमें अपना चेहरा तलाशते। काफी इंतजार के बाद भी जब लोग अपना चेहरा स्क्रीन पर नहीं पा सके तो मैदान में कैमरा कैमरा के नारे लगने लगे। जसप्रीत बुमराह भारतीय गेंदबाजी की धुरी हैं। पहली पारी में जब भारतीय बल्लेबाजी लड़खड़ा गई तो भारत को पूरे पचास ओवर तक बैटिंग कराने में बुमराह की बैटिंग का बड़ा रोल रहा। सूर्य कुमार यादव के आउट होने के बाद तो दर्शक भी उनको स्ट्राइक पर देखने के लिए बूम बूम बुमराह के नारे लगाने लगे। भारत जैसी टीम को महज 229 पर रोकने के बाद इंग्लैंड टीम के समर्थन में आए दर्शकों का उत्साह सातवें आसमान पर था। इंग्लैंड की टीम ने जब बल्लेबाजी की शुरुआत की तो छह रन प्रति ओवर से ऊपर रन बनने पर उनका जोश और भी बढ़ गया। इसके बाद जब बुमराह ने पहला विकेट लिया तो उनका जोश कुछ कम हुआ। इसके बाद एक बाद एक धड़ाधड़ विकेट गिरे तो दस ओवर में ही वे शांत हो गए। पहली बार विश्व कप में इंडिया का मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में हो रहा था। टिकट को लेकर काफी मारामारी थी। ऐसे में जिनको भी मैच के टिकट मिले उनकी खुशी सातवें आसमान पर थी। स्टेडियम पहुंचकर अपने घरवालों और दोस्तों को वीडियोकॉल करके अपनी खुशी का इजहार कर रहे थे। इसके साथ ही उनको भी स्टेडियम के दर्शन करा रहे थे। दो मिनट के बाद फ्लड लाइट ऑन की गई और मैच दोबारा शुरू हो गया।

बच्चों के मन से निकाला 'पुलिस अंकल' का खौफ

योगी सरकार में नन्हे मुन्ने छोटे बच्चों के मन से निकला पुलिस का भय, निडर होकर कोतवाली पहुंच रहे बच्चे

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। स्कूल नहीं जाओगे तो पुलिस पकड़कर ले जाएगी, खाना नहीं खाओगे तो पुलिस पकड़ लेगी, होमवर्क नहीं किया तो पुलिस पकड़ लेगी। यही नहीं अगर रात को बच्चा सोता नहीं है तब भी उसे यह कहकर डराया जाता है कि जल्दी सो जाओ नहीं तो पुलिस आ जाएगी। पैरेंट्स के मुंह से बार–बार इस तरह की बातें सुनकर बच्चों के दिमाग में यह बात बैठ जाती है कि पुलिस तो होती ही बुरी है। ऐसे में जब कभी बच्चा किसी तरह के क्राइम का शिकार हो रहा होता है या वह किसी क्राइम होते हुए देखता है तो वह यह सोचकर अपना मुंह खोलने से डरता है कि कहीं पुलिस उलटा उसे ही न पकड़ लें। बच्चों के दिमाग से पुलिस का यह डर निकालने के लिए पिहानी पुलिस ने अपनी कम्युनिटी पुलिसिंग के तहत कोतवाल सुनील दत्त कॉल बच्चों के मन से पुलिस का भय निकाल रहे हैं।

मंगलवार को कोतवाली में कोतवाल सुनील दत्त कौल ने कहा कि हमारी आने वाली जेनरेशन को यह बताना जरूरी है कि पुलिस उनकी दुश्मन नहीं, बल्कि दोस्त है। बच्चों को यह भी पता होना चाहिए कि पुलिस उनकी सोसायटी का अहम हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चे मासूम होते है। इसलिए आपराधिक टाइप व्यक्ति आसानी से उन्हें अपना निशाना बना लेते है। इसलिए इस मुहीम को पुलिस अंकल का नाम दिया गया है। उन्होंने इस मुहीम को पुलिस के लिए ऐतिहासिक पल बताया। कोतवाल ने गुड टच और बेड टच के बारे में भी बताया गया। यह भी बताया गया कि अगर वे अपने आसपास कहीं पर भी क्राइम होता देखें तो वे इसकी जानकारी तुंरत अपने पैरेंट्स और टीचर के अलावा पुलिस अंकल को दे। इस मौके पर अप निरीक्षक रजनीश त्रिपाठी, उप निरीक्षक मोहम्मद अजीम ,उप निरीक्षक मनोज कुमार ,पवन सिंह, संदीप कुमार, ओमवीर राहुल तोमर ,नितिन तोमर, मनुज चौहान ,मोहित कुमार ,सुरेंद्र अभिषेक त्यागी आदि लोग मौजूद रहे।

स्त्री में मातृत्व भाग अधिक होता है इसलिए वह पिता से श्रेष्ठ होती हैं : केशव चन्द्र गोस्वामी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में नारी सुरक्षा सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित मिशन शक्ति के चौथे चरण का शुभारंभ किया गया।जिसमें विद्यालय की बच्चियों के द्वारा कई प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई तथा बच्चों ने अपने प्रस्तुतियों के माध्यम से महिला अपराध पर लगाम लगाने में और उनको स्वयं स्वावलंबी बनने के लिए जागरूक किया।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ हरदोई के पुलिस अधीक्षक केशव चंद्र गोस्वामी और नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष सुखसागर मिश्र मधुर ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक केशव चन्द्र गोस्वामी ने संबोधन में भारत की विदुषी महिलाओं का सम्मान करते हुए कहा कि स्त्री में मातृत्व भाग अधिक होता है इसलिए वह पिता से सबसे श्रेष्ठ होती हैं।

विद्यालय की छोटी– छोटी बच्चियों के द्वारा विद्यालय में आए हुए अतिथियों का स्वागत गीत के साथ किया तथा सरस्वती वंदना में छोटी बच्चियों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से सभी लोगों का मन मोह लिया । इसी के साथ झांसी की रानी और नाटक के द्वारा या दर्शाया गया की बच्चियों समाज के लिए बोझ नहीं है वह भी कंधे से कंधा मिलाकर समाज में अपनी एक अलग पहचान बन सकती हैं।

विद्यालय के संस्थापक अखिलेश सिंह ने बताया कि न केवल धर्म या समाज बल्कि रेड क्षेत्र में भी नारी अपने पति परिवार का सहयोग कर सकती है नई वीरता एवं साहस से भरी कहानियों से इतिहास भरा पड़ा है नई ना कभी झुकी है ना आगे झुकेगी वह सिर्फ अपनों के लिए झुकती है एवं अपनों की खुशी के लिए लड़ती है जैसे रानी लक्ष्मीबाई कस्तूरबा गांधी आदि नारियों ने अपने जीवन के अमूल्य व्यक्ति अपनों की सुरक्षा के लिए लगा दिया जिन्हें आज भी हम याद करते हैं आज के युग में कई अनेकों शक्तिशाली पदों को महिलाएं संभाल रही हैं आज नई निरंतर प्रगति पद पर आगे बढ़ रही है विद्यालय के प्रबंधक मुकेश सिंह ने बताया कि महिला संबंधी अपराधों को नियंत्रित करने के लिए मिशन शक्ति कार्यक्रम चलाया गया जिसमें विद्यालय की बच्चियों के द्वारा कई प्रस्तुतियां के माध्यम से महिलाओं को और समाज को जागरूक किया गया इस अवसर पर उन्होंने बेटियों के लिए कुछ पंक्तियां बेटियां सीख रही हैं प्रहार करना अब बेटों को सिखाओ व्यवहार करना।

विद्यालय की प्रधानाचार्य भूमिका सिंह ने बेटियों के लिए अपने विचार कोमल है कमजोर नहीं तू , शक्ति का नाम ही नारी है , जग को जीवन देने वाली ,मौत भी तुझे हरी है।

इस सभी कार्यक्रम को संपूर्ण तरीके से कराने में हमारे विद्यालय की अध्यापिका कविता गुप्ता वी अर्पित गुप्ता का पूर्ण सहयोग रहा।

केनरा बैंक में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनरा बैंक के अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय के कार्यपालको अधिकारियों और कर्मचारियों ने सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत आज 4 किलोमीटर की पैदल यात्रा की । इस यात्रा को अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक आलोक कुमार अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की। सभी लोग हाथ में पट्टिका एवं बैनर लेकर रिजर्व बैंक, पासपोर्ट कार्यालय , लखनऊ विकास प्राधिकरण,ताज होटल होते हुए अंबेडकर चौराहे से बनारसी दास बैडमिंटन हॉल के सामने से होकर लोहिया चौराहा और फिर फन रिपब्लिक मॉल के सामने से मुड़कर केनरा बैंक के अंचल कार्यालय पर पहुंच कर पदयात्रा समाप्त की। इस यात्रा में महाप्रबंधक आलोक कुमार अग्रवाल , उप महाप्रबंधक संजय कुमार, सहायक महाप्रबंधक अमित कुमार अस्थाना , संजय कुमार त्रिवेदी , मनीष कुमार एवं बैंक की सुरक्षा अधिकारी मेजर मीनाक्षी चौधरी उपस्थित रही। अंचल कार्यालय के उप महाप्रबंधक संजय कुमार जी ने बैंक के समस्त कर्मचारियों को सत्य निष्ठा एवं कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाई। महाप्रबंधक आलोक कुमार अग्रवाल जी ने सभी से अपने आचरण पर बदलाव और प्रोफेशनल तरीके से कार्य करने पर बल दिया।

प्राण प्रतिष्ठा के लिए 5 नवंबर को रामलला अक्षत पूजन

एक से 15 जनवरी तक देश के 5 लाख गांवों में पूजित अक्षत जाएगा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के महोत्सव मनाने के लिए रामलला के सामने अक्षत पूजन किया जाएगा। पूजित अक्षत को पूरे देश में वितरण का काम विश्व हिंदू परिषद के पूरे देश के 50 केंद्रों से कार्यकर्ता क्रमबद्ध तरीके से लोगों तक पूजित अक्षत को पहुंचाएंगे इसमें प्रमुख रूप से 1 जनवरी से 15 जनवरी तक हिंदुस्तान के पांच लाख गांव में पूजित अक्षत पहुंचाया जाएगा। अक्षत के साथ गांवों तक यह संदेश दिया जाएगा कि लो अपने आसपास के मठ मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी करें भव्य धार्मिक अनुष्ठान आयोजन करें। इसके साथ ही प्रतिष्ठा के दिन सूर्यास्त के बाद पूरे देश में अपने–अपने घरों के सामने पांच दीपक जलाएं। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव ने चंपत राय के अनुसार रामलला की प्रतिष्ठा के पश्चात रामलला की फोटो लेकर अयोध्या आने वाले प्रत्येक दर्शनार्थी को प्रसाद के तौर पर वितरित किया जाएगा और रामलला की फोटो आगामी 2 वर्षों में 10 करोड़ घरों तक पहुंचे इसका लक्ष्य रखा गया है। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के अनुसार 2020 से 31 मार्च 2023 तक निर्माण कार्य में और उससे जुड़े हुए कार्य में कुल 900 करोड रुपए खर्च हुए हैं इसके अलावा रामलला के बैंक खातों में फिक्स और बचत खाते में लगभग 3000 करोड़ से ज्यादा की धनराशि बनी हुई है। रामलला के मंदिर निर्माण और से जुड़े कार्य के लिए खर्च में प्रमुख रूप से प्रतिदिन मंदिर के चढ़ावे को ही लिया जा रहा है।

आंध्र प्रदेश से आई श्रीराम के बाल स्वरूप की मूर्ति

सरयू के पवित्र तट पर होगी विराजित

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।

भार्गव पिक्चर्स व दान धर्म ट्रस्ट आंध्र प्रदेश के माध्यम से अयोध्या पहुंची भगवान श्रीराम के बाल स्वरूप वाली मूर्ति सरयू के पवित्र घाट पर विराजित होगी। अयोध्या विकास प्राधिकरण के सहयोग से बनी यह मूर्ति सोमवार को आंध्र प्रदेश से 10 दिन की रथ यात्रा पूरी करके अयोध्या पहुंची। मूर्ति के अयोध्या विकास प्राधिकरण कार्यालय पहुंचने पर वीसी विशाल सिंह ने उसका स्वागत किया। आंध्र प्रदेश से 10 दिन की यात्रा पूरी करके रथ में मूर्ति लेकर अयोध्या पहुंचे स्वामी गिरी जी ने बताया कि इसका उद्देश्य धर्म सनातन धर्म का प्रचार व जागरण है। उन्होंने बताया कि भार्गव पिक्चर्स भगवान श्रीराम के बाल जीवन से जुड़ा एक एनिमेशन धारावाहिक का निर्माण कर रहा है जिसका प्रसारण भी शीघ्र नेशनल चौनल पर होगा।

मार्ग दुर्घटना में पांच लोगों की मौत, मुख्यमंत्री ने शोक संवेदना व्यक्त की

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। बिल्हौर–कटरा मार्ग पर खमरिया मोड़ के पास सोमवार की देर रात तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई।इस दुर्घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरदोई में हुए सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

हादसे की जानकारी होते ही एसपी केशव चन्द्र गोस्वामी, एएसपी दुर्गेश कुमार सिंह, और कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई।

जानकारी के अनुसार सोमवार को पचदेवरा थाने के बराकांठ गांव निवासी होशियार सिंह अपने बड़े बेटे मुकेश (30), पौत्र बल्लू (4) पुत्र मुकेश, परिवार के राजाराम और भतीजे मनोज के साथ कार से नयागांव जा रहे थे।देर रात खमरिया मोड़ के पास तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई।और एक पेड़ से टकरा गई।जिससे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। भिड़ंत इतनी तेज थी कार के परखच्चे उड़ गए और कार में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर सवायजपुर कोतवाली पुलिस के प्रभारी निरीक्षक दिलेश कुमार सिंह के साथ ही एसपी केसी गोस्वामी, एएसपी पश्चिमी दुर्गेश सिंह समेत कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंच गया। कड़ी मशक्कत के बाद कार के हिस्सों को काटकर शवों को बाहर निकाला गया और उन्हें मोर्चरी भेजा गया। कार में मिले मोबाइल की मदद से परिजनों को हादसे की जानकारी दी गई। हादसे से परिवार में चीख–पुकार मच गई। एसपी केशव चन्द्र गोस्वामी ने मंगलवार को बताया कि कार तेज रफ्तार में थी और उसे ड्राइवर मुकेश कुमार चला रहा था। कार की पेड़ से टक्कर हुई और एक ही परिवार के पांच लोगों की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

गिराया गया हनुमानगढ़ी का ऐतिहासिक निकास द्वार, मंदिर को भव्यता देने की शुरू हुई कवायद

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो)। सुरेंद्र कुमार।अयोध्या राममंदिर निर्माण के साथ ही अब हनुमानगढ़ी को भी भव्यता देने की कवायद शुरू हो गई है। भविष्य में श्रद्धालुओं को आमद को देखते हुए हनुमानगढ़ी के निकास द्वार को चौड़ा किया जाना है। इसी को लेकर रविवार देर शाम मंदिर के निकास द्वार को गिरा दिया गया।

पूर्व अखाड़ा परिषद अध्यक्ष महंत ज्ञानदास के उत्तराधिकारी महंत संजय दास ने बताया कि श्रीराम का मंदिर दिव्य और भव्य बन रहा है। इसी के साथ हनुमानगढ़ी को भी भव्यता देने प्रयास किया जा रहा है। ताकि दर्शन–पूजन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या न हो और वे सुलभता के साथ हनुमानजी का भी दर्शन कर सकें। उन्होंने बताया कि यह मंदिर का यह द्वार ऐतिहासिक और प्राचीन है। यह रामकोट का मुख्य द्वार है, यहां हनुमानजी विराजमान हैं। हनुमानगढ़ी मंदिर अत्यंत प्राचीन है। हजारों वर्ष पहले यह मंदिर एक टीले के रूप में था। बाद में भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया था। मंदिर के कमरे और द्वार एक सीमित दायरे के तहत बने हुए थे।

वर्तमान राजनेता को सरदार पटेल से सीख लेनी चाहिए : अरविंद पटेल

देश के विकास के लिए सरदार पटेल के बताए हुए रास्ते पर चलने की जरूरत : अरविन्द पटेल

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर–जिला मुख्यालय पर सरदार सेना के जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार पटेल के नेतृत्व में लौह पुरुष,भारत रत्न,आधुनिक भारत के निर्माता,अखंड भारत के शिल्पकार,एकता के प्रति मूर्ति, भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयन्ती के अवसर पर विकास भवन में स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया इस कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष अरविन्द कुमार पटेल ने सरदार पटेल के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत देश की एकता के सूत्रधार थे ऐसे महापुरुष को भारत का लौह पुरुष कहा जाता है गृह मंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों का विलय की जिम्मेदारी उनको सौंपी गई थी उन्होंने अपने दायित्व का निर्वहन ईमानदारी से करते हुए छोटी–बड़ी रियासतों को भारत में विलय कराया देश के एकता के सूत्रधार थे भारत की राजनीति इतिहास में सरदार पटेल के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता सरदार पटेल नवीन भारत के निर्माता के राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी के देश के विकास में सरदार पटेल का महत्व को सदैव याद रखा जाएगा देश की आजादी के संघर्ष में उन्होंने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा योगदान उन्होंने स्वतंत्र भारत को एक करने में दिया भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया था वास्तव में वे आधुनिक भारत के शिल्पी से उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता राजनीतिक तथा तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी उनके ईमानदारी के कारण विश्व के राजनीतिक मानचित्र में उन्होंने अनोखा स्थान बना लिया भारत की स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान था स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश में उप प्रधानमंत्री,गृह मंत्री,सूचना प्रसारण मंत्री रहे इससे भी बढ़कर उनकी ख्याति भारत के राजवाड़े को शांतिपूर्ण तरीके से भारतीय संघ में शामिल करने तथा भारत की राजनीति के एकीकरण के कारण सरदार पटेल ने भारतीय संघ में उन्हें रियासतों का विलय किया जो सबसे प्रभुता प्राप्त थी उनका अलग झंडा और अलग शासक था आज देश को फिर सरदार पटेल जैसा नेता की आवश्यकता है वर्तमान परिवेश में देखा जाए तो इस समय केंद्र व प्रदेश में चलने वाली सरकार पूरी तरह से विफल है और महापुरुषों के नाम पर राजनीति कर रही है उनके विचार धाराओं पर कार्य करने की आवश्यकता है उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनेता को सरदार पटेल से सीख लेनी चाहिए इस कार्यक्रम के दौरान वृजेद्र पटेल,विपिन पटेल, राजेश यादव,जगंबहादुर,विकास, गुड्डू यादव, राजकुमार सिंह, हरिशंकर पटेल,अमर बहादुर चौहान, विशाल पटेल,बनवारी गुप्ता, रितिक पटेल,रवि पटेल,शिव पटेल, सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसएसपी ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह का किया शुभारंभ

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।भ्रष्टाचार का विरोध करें,राष्ट्र के प्रति समर्पित रहे की थीम को लेकर लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर सतर्कता अधिष्ठान के अयोध्या सेक्टर ने डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के सन्त कबीर सभागार में एक जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसएसपी आरके नय्यर ने दीप प्रज्वलित कर किया। एसपी सतर्कता अधिष्ठान रमेश भारतीय ने सभी अतिथियों को पौध भेंट कर स्वागत किया।

जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एसएसपी आरके नय्यर ने कहा कि भ्रष्टाचार आज एक घुन की तरह समाज को खोखला कर रहा है। उससे लड़ने की जिम्मेदारी समाज के प्रत्येक वर्ग की है। कार्यक्रम के आयोजक एसपी विजलेंस ने विभाग की संरचना और उसकी कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए कहा कि इस जनसंवाद का उद्देश्य जनता तक विभाग को पहुंचाना है। जिससे किसी भी तरह के भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सके। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के चीफ प्रॉक्टर प्रो. अजय प्रताप सिंह, एसपी सुरक्षा पंकज कुमार मौजूद रहे। जनसंवाद में अयोध्या व देवी पाटन मंडल के सभी अधिकारी कर्मचारियों के साथ अधिवक्ता,शिक्षक व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

बेटी को करंट से बचाने में पिता की जान गई

लखनऊ (संवाददाता) । करंट की चपेट में आई तीन साल की मासूम बेटी को बचाने के दौरान पिता करंट चपेट में आकर झुलस गया। परिजनों ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पिता की मौत हो गई। जबकि मासूम बेटी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। ठाकुरगंज के न्यू हैदरगंज निवासी शाकिर (35) ई रिक्शा चालक थे। शनिवार को सआदतगंज के वजीरबाग में रहने वाले उनके चचेरे भाई आबिद के घर में कुरानख्वानी थी। शाकिर पत्नी सना और बेटियों आयत (3) और सादिया के साथ वहां गए थे। आबिद के घर के बाहर एक चालक अपने टूटे हुए ई रिक्शे की वेल्डिंग करा रहा था। इस बीच मासूम आयत खेलते हुए वेल्डिंग मशीन के पास पहुंची और उसका तार छू लिया। इससे आयत को जैसे ही करंट लगा पिता शाकिर की नजर उस पर पड़ गई। वह दौड़कर करीब पहुंचा और वेल्डिंग मशीन का तार हटाकर दूर फेंकने का प्रयास किया पर वह भी करंट की चपेट में आने से झुलस गया।

आजम खां के करीबियों पर आयकर छापे में खुलासा

लखनऊ (संवाददाता) । रामपुर में जौहर विश्वविद्यालय के पीछे स्थित झील के सुंदरीकरण और पिकनिक स्पॉट को विकसित करने के लिए सरकारी विभाग ने टेंडर जारी किया। यह काम पूर्व मंत्री आजम खां के करीबी ठेकेदार को मिला, जिसने सरकारी काम करने के बजाय अधिकांश बजट जौहर विवि के निर्माण कार्य में खर्च कर दिया। नतीजतन सरकारी काम अधूरा पड़ा रहा और जिम्मेदार अधिकारी चुप्पी साधे रहे। आजम के करीबी ठेकेदारों के ठिकानों पर मारे गये आयकर छापों में इस तरह की तमाम वित्तीय अनियमितताओं का पता चला है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।